INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-101 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 7 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पुलिस ने समझौता कराकर टूटने से बचाए 186 परिवार

समझौता न होने पर 148 मामलों में दर्ज कराई एफआईआर

56 मामलों में कराई गई निरोधात्मक कार्रवाई

यूनिक समय,मथुरा। जिले में एक मई से एक जून तक थानों में महिलाओं से संबंधित अपराधिक शिकायती मामलों में पुलिस ने 186 मामलों में दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया। इसके साथ ही 148 मामलों में समझौता न हो पाने के कारण 145 मामलों में एफआईआर दर्ज करा दी। एक माह के दौरान सभी थानों में 470 शिकायत आई, कुछ मामलों में पुलिस अभी जांच कर रही है।

फोटो—एआई

एसपी ग्रामीण सुरेशचंद रावत ने बताया कि जनपद के सभी थानों में पति-पत्नी के बीच होने वाले मामलों में एक मई से एक जून के बीच 470 शिकायती प्रार्थना पत्र मिशन शक्ति फेज 05 के तहत आए थे। इनमें जांच कराई गई। थाना कोतवाली पर महिलाओं से संबंधित 23 शिकायते आई। दो मामलों में समझौता कराया गया, सात प्रार्थना पत्रों की काउंसलिंग की गयी। बाकी में कार्रवाई जारी है।

थाना हाईवे पर ऐसे 32 प्रार्थना पत्र आए। 14 प्रार्थना पत्रों में समझौता कराया गया।

चार प्रार्थना पत्रों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई, नौ मामलों में अभियोग पंजीकृत कराए गए। मात्र एक प्रार्थना जांच के लिए शेष है। थाना फरह में भी महिलाओं से संबंधित 33 प्रार्थना पत्र आए। छह प्रार्थना पत्रों में पुलिस ने समझौता करा दिया। दस मामलों में मुकदमे दर्ज काराया गया, बाकी काउंसलिंग की गई। थाना जमुनापार में 31 मामले सुनवाई के लिए आए। इनमें से 16 मामलों में समझौता कराया गया। पांच में निरोधात्मक कार्रवाई की गई और नौ प्रार्थना पत्रों में अभियोग पंजीकृत कराया गया, अब एक मामला शेष है।

थाना कोसीकलां में भी इस अवधि में 30 प्रार्थना पत्र आए। इनमें से नौ मामलों में समझौता कराया गया, तीन मामलों में निरोधात्मक कार्रवाई की गई, 18 में अभियोग पंजीकृत कराया गया।

थाना शेरगढ़ में महिलाओं से संबंधित 47 प्रार्थना पत्र आए, 24 की काउंसलिंग की गई, 13 मामलो में समझौता कराया गया, चार प्रार्थना पर निरोधात्मक कार्रवाई की कर छह में अभियोग पंजीकृत कराया गया। थाना मगोर्रा में 44 मामले आए। 14 मामलों में समझौता कराया गया, पांच में मुकदमा दर्ज कराया गया। 23 मामलों की काउंसलिंग की गई और दो मामलों में निरोधात्मक कार्रवाई की गई। थाना बरसाना पर 42 मामले महिलाओं से संबंधित आए, इनमें से 23 में काउंसलिग की गई, पांच मामलों में समझौता कराया गया। छह प्रार्थना पत्रों में निरोधात्मक कार्रवाई की गई और चार में अभियोग पंजीकृत कराया गया।

फोगला आश्रम के पास दुकान में लगी आग

दमकल की तत्परता से टला हादसा

सुरक्षा खामियों पर होटल का काटा गया कनेक्शन

यूनक समय, वृंदावन। फागला आश्रम के सामने स्थित एक दुकान में अचानक आग लगने से क्षेत्र में अफरा—तफरी मच गई। दुकान से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। घटना के बाद विद्युत सुरक्षा विभाग ने भी क्षेत्र में निरीक्षण अभियान चलाया। जांच के दौरान प्रेम मंदिर के सामने स्थित होटल जीएसएम में गंभीर सुरक्षा खामियां पाई गईं। अधिकारियों के अनुसार, होटल संचालक मृत्युज्जय शर्मा उर्फ विकी कातिब को 72 घंटे के भीतर विद्युत सुरक्षा संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा में इसका पालन नहीं किया गया। निरीक्षण में पाया गया कि होटल में इन्वर्टर बैटरियों के पास रासायनिक पदार्थ रखे गए थे। इसके अलावा हल्की और असुरक्षित वायरिंग, विद्युत पैनल के पास ढीले संयोजन और उचित अर्थिंग की व्यवस्था भी नहीं थी। इन कमियों को श्रद्धालुओं और आम लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा माना गया।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी को देखते हुए विभाग ने होटल का विद्युत संयोजन तत्काल प्रभाव से विच्छेदित कर दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी सुरक्षा मानकों को पूरा करने के बाद ही दोबारा विद्युत आपूर्ति बहाल की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सतर्क हो गया है।

योग प्रशिक्षक पारुल शर्मा बनीं मास्टर ट्रेनर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने में जुटा आयुष विभाग

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाने के लिए आयुष विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह के निर्देशन में नामित की गईं हेल्थ वेलनेस सेंटर, आयुष विभाग की योग प्रशिक्षक पारुल शर्मा को लखनऊ में आयोजित मास्टर ट्रेनिंग कार्यक्रम में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। पारुल शर्मा अब मास्टर ट्रेनर के रूप में अपनी सेवाएं देकर इस अभियान को आगे बढ़ाएंगी।

मास्टर ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने आगामी 15 से 21 जून तक मनाए जाने वाले योग सप्ताह को पूरी तरह सफल बनाने के गुर सीखे। अब पारुल अपने विभाग के अन्य योग प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगी। इसके बाद सभी प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न तहसीलों, ब्लॉकों, नगर पंचायतों, संस्थानों और अन्य सरकारी विभागों में प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर लोगों को योग कराया जाएगा। इसके तहत शहर और ग्रामीण इलाकों के प्रमुख मंदिर प्रांगणों, ऐतिहासिक कुंडों, नदी घाटों, कॉलेजों, आवासीय सोसायटियों, सरकारी विभागों और नगर निगम आदि सार्वजनिक स्थानों पर योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। इस बार 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम 'योगा फॉर हेल्थी एजिंग' (स्वस्थ बुढ़ापे के लिए योग) निर्धारित की गई है, जिसके संदेश को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाएगा।

24 घंटे बाद मिले जॉनी जोजो, लौटी खुशी

यूनिक समय, वृंदावन। प्रेमानंद महाराज को अपनी अनोखी अदाओं से हंसाने वाले टैडीबियर पात्र जॉनी और जोजो 24 घंटे बाद अपने मालिक राहुल मिश्रा से मिल गए। जयपुर निवासी कॉमेडियन राहुल मिश्रा वृंदावन परिक्रमा के दौरान ई—रिक्शा में अपना सूटकेस भूल गए थे, जिसमें दोनों पात्र बंद थे। करीब 24 घंटे तक सूटकेस में बंद रहने के बाद भी दोनों सुरक्षित मिले। राहुल मिश्रा ने पुलिस से संपर्क करने के साथ ही बांके बिहारी मंदिर में प्रार्थना भी की। इसके बाद सूटकेस मिलने की सूचना मिली और दोनों को सकुशल बाहर निकाला गया।

नए नियमों से कमजोर सिबिल स्कोर वालों की बढ़ेंगी मुश्किलें

730 से कम सिबिल स्कोर वालों की बढ़ेगी मुश्किल!

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए नए 'ईसीएल डायरेक्शन—2026' नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे। इन नियमों का सबसे अधिक असर उन लोगों पर पड़ सकता है जिनका सिबिल स्कोर 730 से कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि नए प्रावधानों के बाद ऐसे ग्राहकों के लिए होम, ऑटो और एजुकेशन लोन हासिल करना पहले की तुलना में अधिक मुश्किल हो सकता है।

नए नियमों के अनुसार, यदि कोई ग्राहक लगातार दो ईएमआई का भुगतान नहीं करता है, तो बैंकों को संभावित नुकसान की भरपाई के लिए पहले से कहीं अधिक राशि अलग रखनी होगी। इससे बैंकों की बैलेंस शीट पर अतिरिक्त दबाव पड़ेगा और उनके मुनाफे में भी कमी आ सकती है। अनुमान है कि बैंकिंग क्षेत्र का कुल लाभ करीब 42 हजार करोड़ रुपये तक प्रभावित हो सकता है।

बैंक अब प्रीमियम ग्राहकों को देंगे प्राथमिकता

फिलहाल बैंक किसी लोन को 90 दिन तक बकाया रहने के बाद जोखिम श्रेणी में रखते हैं, लेकिन नए नियमों के तहत जोखिम का आकलन पहले ही शुरू करना होगा। इसके लिए ग्राहकों का भुगतान रिकॉर्ड, सिबिल स्कोर, आय की स्थिति, नौकरी की स्थिरता और संपत्ति के मुकाबले लोन की राशि जैसे कई मानकों को ध्यान में रखा जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, देश में लगभग 62 प्रतिशत लोन आवेदकों का सिबिल स्कोर 730 से कम है। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों को लोन मंजूरी में सख्ती का सामना करना पड़ सकता है। बैंक या तो ऐसे ग्राहकों से अधिक ब्याज वसूल सकते हैं या फिर अतिरिक्त गारंटी की मांग कर सकते हैं।

दूसरी ओर, 730 या उससे अधिक सिबिल स्कोर वाले ग्राहकों को लाभ मिलने की संभावना है। बेहतर क्रेडिट प्रोफाइल वाले लोगों को कम ब्याज दर, आसान मंजूरी और अधिक वित्तीय सुविधाएं मिल सकती हैं। बैंकिंग विशेषज्ञों का कहना है कि नए नियमों का उद्देश्य भविष्य में होने वाले डिफॉल्ट की समय रहते पहचान करना और वित्तीय प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाना है।

तीन माह के भीतर दूसरी बार बढ़ गए गैस के दाम

गैस महंगी होते ही बिगड़ा परिवारों का मासिक बजट

मसाले, दाल-चावल के बाद अब रसोई गैस सिलेंडर के बढ़ गए दाम, जेब पर अब होगा असर

यूनिक समय, मथुरा। घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। तीन महीने के भीतर दूसरी बार एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। घरेलू उपयोग वाले 14.2 किलोग्राम के गैस सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की वृद्धि की है। रविवार से यह दाम बढ़ गए। अब इस महंगाई से रसोई और झुलसेगी।

डीजल और पेट्रोल पर दाम बढ़ाए जाने के बाद ट्रांसपोर्ट कंपनियों ने माल ढुलाई के रेट बढ़ा दिए हैं, जिससे रसोई में काम आने वाली कई वस्तुओं के दाम बढ़ गए हैं। दाल, मसाले, तेल और आटा की महंगाई से रसोई अभी संभल भी नहीं पाई कि अब तेल कंपनियों ने रसोई पर और बोझ डाल दिया। रविवार रात तेल कंपनियों ने रसोई गैस सिलेडर के दाम 29 रुपये और बढ़ा दिए।

तीन माह पहले मार्च माह के दौरान रसोई गैस सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ा गए थे। अब 29 रुपये और बढ़ाने अब यह सिलेंडर उपभोक्ताओं को 942 रुपये में मिलेगा। इस महंगाई का असर सीधे- सीधे मध्यम वर्ग के उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। महिलाओं ने रसोई गैस सिलेंडर पर दाम बढ़ाने को अनुचित बताया है।

महिलाओं की बात

मोनिका अरोड़ा का कहना है कि सरकार को अपने खर्चे कम करने चाहिए, इस बचत को आम लोगों पर खर्च करना चाहिए। सरकार को कम से कम रसोई पर कृपा बनाए रखनी चाहिए। इस महंगाई के दौर में रसोई संभालना मुश्किल हो रहा है।

बबीता का कहना है कि अब रसोई के लिहाज से कुछ भी सस्ता नहीं है। दूध, चाय पहले ही मंहगे हुए है। दाल- मसाले भी महंगे हुए हैं। सरसों का तेल महंगा हुआ है, अब तो सरकार ने रसोई गैस सिलेंडर महंगा करके बड़ी कृपा की है।

अब और अच्छे दिन आ गए हैं

घरेलू सिलेंडर पर दाम बढ़ाने के बाद लोग इंटरनेट मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं, और अच्छे दिन आने का उलाहना दिया जा रहा है। लोगों का कहना है कि केंद्र सरकार ऐसे ही आम उपभोक्ताओं की जेब खाली करती है, चुनाव आने से पहले राहत का लालच देकर फंसाती है।

दो चोरी के मोबाइल, चाकू रखने पर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक अभियुकत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल और एक चाकू बरामद किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गौतम पाड़ा की गंदी गली के समीप से अभियुक्त श्यामपाल निवासी नकछेद पूर्वा चौकी थाना मानकपुर जिला गौंडा को गिरफ्तार कर उसके पास से दो चोरी के मोबाइल और एक चाकू बरामद किया है।

चोर गिरफ्तार, तीन बैटरी बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की तीन बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार,रेलवे ग्राउंड की दीवार के समीप से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से तीन चोरी की बैटरियां बरामद की है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त रोहित निवासी खेड़िया खुर्द थाना टप्पल जिला अलीगढ़ है।

नशीला पाउडर रखने के आरोप मे दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने एक अभियुक्त को 182 ग्राम नशीला पाउडर (एल्प्राजोलम) रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त दीपक कुमार निवासी श्रमित विहार सेक्टर 30 फरीदाबाद हरियाणा को मनीपाड़ा गली गौतम पाड़ा वृंदावन से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नशीला पाउडर बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। वहीं, हाईवे पुलिस ने मालगोदाम जाने वाले रास्ते से रेलवे लाइन की तरफ से अभियुक्त धर्मेंद्र उर्फ जट्टली निवासी गांव महौली थाना हाईवे को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नशीला पाउडर बरामद किया है।

मथुरा समेत कई शहरों को बुलेट ट्रेन

अब 20 घंटे का सफर होगा सिर्फ छह घंटे में

दिल्ली से सिलीगुड़ी सफर होगा आसान

मथुरा को मिलेगी हाईस्पीड रेल कनेक्टिविटी

यूनिक समय, मथुरा। केंद्र सरकार की प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन परियोजना से मथुरा को भी बड़ी सौगात मिलने जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा घोषित इस हाईस्पीड रेल कॉरिडोर में मथुरा को प्रमुख स्टेशनों में शामिल किया गया है। परियोजना के पूरा होने के बाद मथुरा से देश के कई बड़े शहरों तक यात्रा पहले की तुलना में बेहद तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

जानकारी के अनुसार, यह बुलेट ट्रेन नई दिल्ली से शुरू होकर नोएडा, मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, गाजीपुर, पटना और सिलीगुड़ी तक जाएगी। करीब 1500 किलोमीटर लंबे इस रूट पर ट्रेन की संभावित गति 250 से 300 किलोमीटर प्रति घंटा तक होगी। इससे वर्तमान में 18 से 20 घंटे में पूरा होने वाला दिल्ली-सिलीगुड़ी सफर महज 6 से 7 घंटे में पूरा किया जा सकेगा।

मथुरा के लिए यह परियोजना पर्यटन और व्यापार दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। देश-विदेश से श्रीकृष्ण जन्मभूमि, वृंदावन और गोवर्धन आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर और तेज परिवहन सुविधा मिल सकेगी। इसके साथ ही स्थानीय कारोबार और पर्यटन उद्योग को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा। रेल मंत्रालय के अनुसार इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर बड़े स्तर पर निवेश किया जाएगा। भूमि अधिग्रहण और रूट सर्वेक्षण की प्रक्रिया जल्द शुरू होने की संभावना है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुलेट ट्रेन शुरू होने से मथुरा राष्ट्रीय हाईस्पीड रेल नेटवर्क का अहम हिस्सा बन जाएगा और क्षेत्र के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी। वहीं यात्रियों को कम समय में लंबी दूरी तय करने की सुविधा भी प्राप्त होगी।

तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

29 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,55,730
22 कैरेट 1,42,750
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,75,000 प्रति किलो

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मानसी गंगा में चौबीस घंटे के अंतराल में डूबे तीन किशोर

यूनिक समय, गोवर्धन। मानसी गंगा में चौबीस घंटे के अंतराल में स्नान के दौरान तीन किशोरों की जान चली गई। परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। इसके बाद भी प्रशासन पूरी तरह से मानसी गंगा में स्नान करने वालों को सुरक्षा मुहैय्या नहीं करा पा रहा है।

रविवार सुबह लगभग छह बजे रामनगर, आगरा के भीम पुत्र भीकम अपने परिवारीजन सनी, विनय, विकास और विनय की मां रानी के साथ गोवर्धन में गिर्राज महाराज की परिकमा करने आए थे। परिक्रमा पूरी करने के बाद सभी आज सुबह मानसी गंगा में स्नान कर रहे थे, इसी बीच भीम का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी डूब गया। भीम को पानी में डूबते देख परिवार के लोगों ने शोर किया। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे गोताखोरों और एनडीआरएफ की टीम ने डूबे किशोर की तलाश की और उसके शव को पानी से बाहर निकाला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मानसी गंगा में डूबे किशोर की नाव से तलाश करती टीम।

मानसी गंगा पर कुव्यवस्था के चलते गई चार लोगों की जान

यूनिक समय, गोवर्धन, मथुरा। अधिक मास में बढ़ी संख्या में गिरिराज जी की परिक्रमा करने के लिए आने वालो के लिए प्रशासन द्वारा मानसी गंगा पर सुरक्षा इतजाम नहीं करने के चलते एक पखवाड़े में चार लोगों की जान मानसी गंगा के गहरे पानी में डूब जाने के कारण हो चुकी है। अगर वहां पहले से सुरक्षा इतंजाम किए गए होते तो शायद चार लोगों की जान नहीं जाती।

गौरतलब है कि शनिवार की प्रातः राजस्थान के दो किशोरों की भी मानसी गंगा में डूबकर मौत हो चुकी है।

अधिक मास में गोवर्धन की परिक्रमा बढ़ी संख्या में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं द्वारा की जा रही है। परिक्रमा के बाद श्रद्धालु मानसी गंगा में स्नान करने के बाद दानघाटी के मंदिर

सुरक्षा व्यवस्था के बाद भी आज डूबा आगरा का एक किशोर

में पूजा-अर्चना करते हैं। प्रशासन गुरू पूर्णिमा मेले पर मानसी गंगा पर स्नान करने वालों की सुरक्षा के लिए वैरीकेटिंग लगा कर फव्वारों से स्नान करने की व्यवस्था करता है। इसके साथ ही एनडीआरएफ और गोताखोरों की व्यवस्था करता है। अधिक मास में प्रशासन और नगर पंचायत द्वारा इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं की, जिसके चलते अधिक मास में मानसी गंगा में डूबकर तीन चार की मौत हो चुकी है।

लगातार हो रही मौतों के बाद प्रशासन की नींद टूटी और प्रशासन ने मानसी गंगा पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वैरिकेटिंग लगाई। मानसी गंगा पर जिन स्थानों पर वैरीकेटिंग नहीं की गई, वहीं आज एक किशोर की मानसी गंगा में डूब जाने से मौत हो गई।

यमुना एक्सप्रेस वे पर दो हादसे, चार लोग घायल

खड़े ट्रक से टकराई बस, दो कार आपस में टकराई, कोई नहीं हुआ घायल

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार को दो अलग-अलग दुर्घटनाएं हुईं। एक हादसे में बस के खड़े ट्रक से टकरा जाने पर चार लोग घायल हो गए। दूसरे हादसे में दो कार आपस में टकरा गई, लेकिन गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। पीआरवी की सूचना पर पहुंचे बाजना चौकी इंचार्ज हरेंद्र सिंह तोमर पुलिस फोर्स के साथ यमुना एक्सप्रेस वे पर पहुंचे। सुबह करीब चार बजे यमुना एक्सप्रेसवे के आगरा-नोएडा मार्ग पर किलोमीटर संख्या 73 के पास तीसरी लेन में खड़े ट्रक में पीछे से आ रही बस ने टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार अर्चना निवासी जालौन, आशीष राज निवासी दिल्ली, सुमित और हर्ष गुप्ता घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी नौहझील भेजा गया। दुर्घटना में दोनों क्षतिग्रस्त हुए वाहनों को क्रेन की सहायता से बाजना चौकी पर खड़ा कराया गया। दूसरी घटना भी आज प्रातः आठ बजे किलोमीटर संख्या 66 पर हुई। यहां लाल रंग और सफेद रंग की दो कार आपस में साइड से टकरा गई। दुर्घटना में दोनों वाहनों में सवार लोग सुरक्षित रहे। बाद में दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया और चले गए।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर दुर्घटना ग्रस्त बस।

तीन उप निरीक्षक निलंबित एक को किया लाइन हाजिर

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने पांच उप निरीक्षकों को इधर से उधर किया है। वहीं, तीन उप निरीक्षकों को कार्य में शिथिलता बरतने पर निलंबित और एक को लाइन हाजिर कर दिया है।

एसएसपी ने पांच उप निरीक्षकों के किए तबादले

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस प्रशासन को चुस्त दुरुस्त करने के लिए वरिष्ठ उप निरीक्षक विक्रांत तोमर को थाना रिफाइनरी से चौकी प्रभारी बाद स्थानांतरित किया है। रिफाइनरी से उप निरीक्षक दीपक नागर को चौकी प्रभारी रंगजी थाना वृंदावन, उप निरीक्षक शरद त्यागी को साइबर थाने से चौकी प्रभारी राधाकुंड गोवर्धन, उप निरीक्षक कुशल पाल सिंह को चौकी प्रभारी बिचपुरी थाना रायाऔर उप निरीक्षक अनिरुद्द सिंह को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी अनौड़ा थाना राया स्थानांतरित किया है। एसएसपी ने कार्यो में लापरवाही बरतने और अनुशासनहीनता करने के आरोप में थाना राया पर तैनात उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह को रिश्वत लेने के शिकायत मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबत कर दिया। इसी तरह थाना रिफाईनरी में तैनात उप निरीक्षक लोकेंद्र सिंह को दो पक्षों में हुए झगड़े के मामले को गंभीरता से न लेने पर निलंबित कर दिया। थाना गोवर्धन में तैनात उप निरीक्षक रजत दुबे को विवेचना के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया। थाना वृंदावन में तैनात उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह चौकी प्रभरी रंगजी को जनपद में चिन्हित माफियाओं की निगरानी सही से न करने के आधार पर लाइन हाजिर कर दिया। एसएसपी द्वारा की गई इस कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

नदियों में मछली पकड़ने पर रोक उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सीमा से होकर बहने वाली सभी नदियों और तालाबों में 31 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। डीएम सीपी सिंह के आदेश पर यह प्रतिबंध मछलियों के प्रजनन काल को देखते हुए लागू किया गया है।

मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मछलियों की संख्या बढ़ाने और उनके संरक्षण के लिए हर वर्ष यह व्यवस्था की जाती है। प्रतिबंध अवधि में कोई भी व्यक्ति नदियों में मछली नहीं पकड़ सकेगा। इसके अलावा 15 जुलाई से 30 सितंबर तक छोटी मछलियों (फिंगरलिंग) और मत्स्य बीज को पकड़ने, नष्ट करने, खरीदने-बेचने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने पर भी रोक रहेगी। अधिकारियों का कहना है कि बरसात के मौसम में मछलियां अंडे देती हैं। इस समय उनका शिकार करने से उनकी संख्या कम हो सकती है। इसी कारण नदियों और जलाशयों में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मत्स्य विभाग ने चेतावनी दी है कि प्रतिबंध के दौरान मछली पकड़ते या मत्स्य बीज का अवैध कारोबार करते पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शेरगढ़ में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना शेरगढ़ स्थित कबाड़े के डंप स्थान के नजदीक से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद किया है। पुलिस को सूचना मिली कि थाने समीप कबाड़े के डंप के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा हुआ है। मृतक की उम्र करीब 48 साल प्रतीत हो रही है। शव एक सप्ताह से अधिक पड़ा होने के कारण काफी क्षत- विक्षित हो गया है। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

महिला से चेन छीनने वाला जल्द होगा पुलिस गिरफ्त में

यूनिक समय, चौमुहां। थाना जैत के छटीकरा स्थित चारधाम हाईवे गेट के सामने पर्यटक महिला से हुई चैन स्नेचिंग प्रकरण में पुलिस को कुछ इस तरह के सुराग हाथ लगे हैं जिससे पुलिस चेन स्नेचर तक कभी भी पहुंच सकती है। एक जून को आंध्र प्रदेश के रोड़ाबाड़ा निवासी विजय श्री परिवार के साथ वृंदावन बांके बिहारी के दर्शन के लिए आई थीं। छटीकरा स्थित चारधाम हाईवे गेट के पास से गुजरने के दौरान अज्ञात बदमाश ने उनके गले से सोने की चेन तोड़ ली थी। पीड़िता की तहरीर पर जैत थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस ने घटनास्थल के नजदीक के सीसी कैमरों की फुटेज निकाली।

सीसी टीवी से मिले फुटेज पर पुलिस कर रही है तलाश

पुलिस की फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति महिला से चैन स्नैचिंग करता नजर आया। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देने वाले व्यक्ति की तेजी से तलाश में जुटी है। थाना प्रभारी ने बताया है कि फुटेज में दिख रहे संदिग्ध की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है। शीघ्र ही महिला के साथ घटना करने वाले को गिरफ्तार किया जाएगा।

INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES	INVESTIGATION	OUR RATES	MARKET RATES
MRI BRAIN	2500	4500	CT ANGIOGRAPHY BRAIN	5500	8000
MRI WHOLE SPINE	7000	11000	COLUR DOPPLER	500	2000
MRI WHOLE ABDOMEN	5000	8000	ECHO CARDIOGRAPHY	1000	2000
MRI ANY JOINT	3500	4500	DIGITAL XRAY	100	300
MRCP	4000	5000	MEMOGRAPHY	1500	3000
CT WHOLE ABDOMEN	3000	4500	OPG	400	600
CT HEAD	1500	2000			
CT ANGIOGRAPHY	7000	8000			

हर शाम, कृष्णानगर जाम के नाम

गोवर्धन चौराहा पर दिल्ली- आगरा सर्विस मार्ग और कृष्णानगर की ओर लगा जाम।

गोवर्धन चौराहे पर लगे जाम की वजह से कृष्णा नगर की ओर फंसे वाहन।

यूनक समय, मथुरा। अराजक यातायात की वजह से लोगों की हर शाम जाम के नाम होती है। कृष्णानगर में लगने वाले जाम की वजह से लोगों का समय बर्बाद होता है, लेकिन जिम्मेदारों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। शहर से घर और दूसरे काम से गोवर्धन चौराहे की ओर जाने वालों को जाम की वजह से आधे से पौन घंटा बर्बाद करना पड़ता है। यातायात के रेंग– रेंगकर चलने की वजह से वाहनों का ईंधन भी व्यर्थ बर्बाद होता है।

शहर का कृष्णानगर क्षेत्र इन दिनों जाम का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है।

शाम को छह बजे से रात आठ बजे के बाद जाम से बिगड़ते हैं हालात

एक किमी. दूर गोवर्धन चौराहा तक पहुंचने में लगता आधा से पौन घंटा

दिन में जाम लगना अब आम बात बन चुका है,लेकिन अब हर शाम को लगने वाला जाम खास बनकर उभरा है। शाम को शहर से कृष्णानगर होकर गोवर्धन चौराहे तक वाहन छोड़िए, पैदल ही रास्ता पार करने में सांस फूल जाती है। चार कदम वाहन रेंगकर आगे बढ़ते है, फिर अचानक किसी कट से सामने अन्य वाहन के आने से यातायात थम जाता है। ऐसे जाम की वजह से करीब एक किमी. की दूरी वाहन से तय करने में आधे से पौन घंटे का समय लगना अब सामान्य बन चुका है। रात आठ बजे के बाद यातायात अराजक हो जाता है, चौराहा पर हर वाहन वाला अपनी मर्जी का मालिक बन जाता है। शनिवार शाम को डा. विपिन नर्सिग होम से थोड़ा आगे से गोवर्धन चौराहा तक लगे जाम से पैदल राह निकलना मुश्किल होता रहा। तीन लाइन में वाहनों के रेंग– रेंगकर चलने से यह समस्या हुई।

यह हैं जाम के प्रमुख कारण

- कृष्णा नगर में वाहनों को आधी सड़क पर खड़ाकर खरीदारी करने की कुप्रवृति।
- यातायात संचालन को तैनात पुलिसकर्मियों का अन्य कामों पर अधिक ध्यान देना।
- शहर की ओर से जाने वाले वाहनों को अधिक समय बाद आगे जाने का रास्ता मिलना।
- चौराहे के आसपास पर टेंपो और ई–रिक्शा का अराजक संचालन, बसों का आधी सड़क पर खड़ा होना।
- गोवर्धन चौराहा और कृष्णानगर में पार्किंग का अभाव, पहले निकलने की जल्दबाजी और कम दूरी पर कट होना।

दिनभर लगता रहा जाम, बजते हूटर—हार्न

रविवार को भी गोवर्धन चौराहा सुबह से रात तक जाम से जूझता रहा। वाहनों की रेलमपेल और जिम्मेदारों की लापरवाही से यहां हूटर और हार्न जमकर बजते रहे। शहर की ओर से गोवर्धन चौराहा तक जाने वाले वाहन और राहगीर इस समस्या से जूझते रहे। गोवर्धन की ओर से आने वाले वाहनों की वजह से सर्विस मार्ग पर भी जाम लगता रहा।

गोवर्धन की ओर से आने वाले वाहनों की वजह से गोवर्धन चौराहे पर लगा जाम।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बैकुंठनाथ पांडेय का निधन, शोक

यूनिक समय, बलदेव। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष- प्रतिष्ठित शिक्षक बैकुंठनाथ पांडेय के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। निधन की सूचना मिलते ही उनके आवास पर श्रद्धांजलि अर्पित करने और शोक व्यक्त करने वालों का तांता लग गया।

पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष बैकुंनाथ पांडेय फाइल फोटो

युवा समाजसेवी सुजीत वर्मा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि बैकुंठनाथ पांडेय का निधन समाज और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में नगर पंचायत चेयरमैन डॉ. मुरारी लाल अग्रवाल, राकेश गोयल, मदन पांडेय वैद्य कपिल, पूर्व चेयरमैन चिंटू सोनी, मेरुकांत पांडेय, विजय उपाध्याय, डॉ. जगदीश पाठक, विष्णु आचार्य, संजीव गोयल, राजेश पाठक, अनुज उपमन्यु, शिवा उपाध्याय, मनीष बंसल, मुकेश सोनी, दीपक सोनी, हरिओम दादा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने किए ठाकुर द्वारकाधीश के दर्शन

ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में आराधना के दौरान इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरूण भंसाली अपनी पत्नी और आगरा- मथुरा के जजों के साथ।

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में रविवार प्रातः इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अपनी पत्नी के साथ दर्शन–पूजन कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके साथ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह सिरोही और उनकी पत्नी, जिला जज विकास कुमार और उनकी पत्नी,आगरा के जिला जज मलिक भी उपस्थित रहे।

मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी (एडवोकेट) ने बताया कि दर्शन के दौरान मंदिर के तृतीय पीठाधीश्वर गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार ने मुख्य न्यायाधीश को प्रभु का आशीर्वाद देकर मंदिर के इतिहास, परंपराओं और पूजा–सेवा पद्धति की जानकारी दी। इससे पूर्व मंदिर के आचार्य सहदेव कृष्ण चतुर्वेदी ने स्वास्ति वाचन कर अतिथियों को सम्मानित किया ।

दर्शन के उपरांत मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने मंदिर की विजिटर बुक में अपने विचार दर्ज किए। लिखा कि दर्शन करने के बाद मुझे आनंद की अनुभूति हुई।

इस अवसर पर चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट नितिन दीक्षित और उनकी पत्नी, प्रथम एसीजेएम एवं सिविल जज (सीनियर डिवीजन) अनुपम दीक्षित, एडीएम वित्त-राजस्व पंकज कुमार, एडीएम न्यायिक, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, शहर कोतवाल विनोद बाबू मिश्रा सहित अनेक न्यायिक- प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे। मंदिर की व्यवस्थाओं को संचालित करने में अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, सहायक अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, सहदेव कृष्ण पाठक, बृजेश चतुर्वेदी, राजीव चतुर्वेदी, अनंत पाठक, प्रकाश औरओपी गुप्ता सहित अन्य सेवायतों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

परिक्रमार्थियों को प्रसाद के पैकेट बांटते मथुरा रॉयल ग्रुप के पदाधिकारी।

अधिकमास में परिक्रमार्थियों को बाटे प्रसाद के पैकेट

यूनिक समय, सौंख। अधिकमास के दौरान मथुरा रॉयल ग्रुप द्वारा परिक्रमार्थियों की सेवा के लिए भोजन और प्रसाद पैकेट बाटे गए। समाजसेवी अशोक गर्ग ने कहा कि अधिक मास में श्रद्धालुओं की सेवा करना बड़ा पुण्य का काम है। समाज सेवियों ने कहा कि इस तरह की सेवा करना बहुत ही सराहनीय कार्य है। साथ ही उन्होंने ऐसी सेवा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मथुरा रॉयल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. सुधीर गर्ग,धर्म सिंह, यादवीर सिंह, अभय बंसल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस भर्ती परीक्षा कल से, तैयारियां पूरी

37,500 अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज की विशेष व्यवस्था

आगरा से मांगी 50 अतिरिक्त बसें चालक–परिचालकों की छुट्टियां रद्द

16 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिन चलेगी परीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। जिले में कल से नौ और10 जून तक आयोजित होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन और परिवहन निगम ने व्यापक तैयारियां की हैं। तीन दिन तक चलने वाली इस परीक्षा में करीब 37,500 अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रोडवेज और प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं।

एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने के लिए आगरा से 50 अतिरिक्त बसों की मांग की गई है। इन बसों के देर रात तक मथुरा पहुंचने की संभावना है। जिन मार्गों पर परीक्षार्थियों की संख्या अधिक होगी, वहां अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी, ताकि किसी को आने–जाने में दिक्कत न हो।

परीक्षा को देखते हुए रोडवेज निगम ने बसों के फेरे भी बढ़ा दिए हैं। मथुरा बस स्टेशन पर विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जहां से बस संचालन और यात्रियों की सुविधाओं पर लगातार नजर रखी जाएगी। अधिकारियों का दावा है कि परीक्षार्थियों को 24 घंटे बस सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। एआरएम ने बताया कि परीक्षा को देखते हुए सभी चालक और परिचालकों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। सभी कर्मचारियों को ड्यूटी पर रहने के निर्देश दिए गए हैं । रोडवेज अधिकारियों को भी विशेष निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दो पालियों में होगी परीक्षा

पुलिस भर्ती परीक्षा जिले के 16 परीक्षा केंद्रों पर होगी। परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक,दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में लगभग 6,240 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। तीन दिन में हजारों अभ्यर्थियों के शहर में पहुंचने से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और प्रमुख मार्गों पर भीड़ बढ़ने की संभावना है। प्रशासन ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित कराने के लिए सुरक्षा और निगरानी के विशेष इंतजाम किए हैं। पूरे जिले को सेक्टरों में बांटते हुए 16 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। ये अधिकारी परीक्षा केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

नियमों का पालन करें परीक्षार्थी

जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों के लिए दिशा–निर्देश भी जारी किए हैं। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे परीक्षा शुरू होने से काफी पहले अपने केंद्रों पर पहुंच जाएं। भर्ती बोर्ड और शासन की ओर से जारी सभी नियमों और निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा जांच के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता, नकल या गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कोई परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने या नियमों का उल्लंघन करने का प्रयास करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा कि परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए चलेगी 'परीक्षा एक्सप्रेस' ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। जिले में 8, 9 और 10 जून को आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। अब बरेली से मथुरा के बीच 'परीक्षा एक्सप्रेस' ट्रेन का संचालन किया जाएगा। स्टेशन निदेशक ने बताया कि यह विशेष ट्रेन 8 जून से 10 जून तक लगातार तीन दिनों तक चलेगी। इस ट्रेन में पुलिस भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को समय पर और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराना है। परीक्षा एक्सप्रेस बरेली से प्रतिदिन सुबह चार बजे रवाना होगी और सुबह 8:45 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में यही ट्रेन मथुरा जंक्शन से दोपहर 1:10 बजे बरेली के लिए रवाना होगी और शाम 5:50 बजे बरेली पहुंचेगी। जंक्शन निदेशक ने बताया कि परीक्षा के दौरान अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और अभ्यर्थियों को राहत देने के लिए यह व्यवस्था की गई है।

हाईस्कूल और इंटर की कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया छह जून से शुरू हो चुकी है। विद्यार्थी 27 जून तक परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, हाईस्कूल इंप्रूवमेंट परीक्षा में एक विषय में सुधार के इच्छुक छात्र–छात्राएं आवेदन कर सकते हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि कंपार्टमेंट परीक्षा के लिए दो विषयों में अनुत्तीर्ण विद्यार्थी पात्र होंगे, लेकिन उन्हें केवल एक विषय में परीक्षा देने का अवसर मिलेगा। इसके लिए 256.50 रुपये परीक्षा शुल्क निर्धारित किया गया है। इंटरमीडिएट कंपार्टमेंट परीक्षा में मानविकी, विज्ञान, वाणिज्य और व्यावसायिक वर्ग के वे छात्र आवेदन कर सकेंगे, जो किसी एक विषय के एक प्रश्नपत्र में अनुत्तीर्ण हैं। इसके लिए 306 रुपये परीक्षा शुल्क तय किया गया है। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों को कोषागार चालान के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने के बाद उसकी प्रति और शुल्क जमा करने के चालान की मूल प्रति डाउनलोड करनी होगी।

श्रद्धालुओं को बांटा पूड़ी–सब्जी का प्रसाद

शहर से होकर निकलने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। अधिक मास में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए श्रीरामभरोसे चौते गुरु मार्ग चौक नित्य मिलन पट्टा समिति के द्वारा रविवार को चौक कसेरट बाजार में प्रसाद बाटा गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि ऐसे पुण्य काम में समिति के द्वारा इस तरह के कायक्रम किए जाते है। इस मौके पर भाजपा- व्यापारी नेता योगेन्द्र चतुर्वेदी, शंकर अग्रवाल, संजय चौधरी, सुमित सर्राफ, पंकज मित्तल,संजय शोरा, राजकुमार चतुर्वेदी, सुनील अग्रवाल,राजेश गोयल, दीपक अग्रवाल, देवेश द्विवेदी, मानप्रकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे ।

उठावनी

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे प्रिय सुपुत्र श्री अतुल अग्रवाल पुत्र स्व. श्री जागेश कुमार अग्रवाल (शोरा वाले) का गोलोकवास दिनांक 06 जून 2026, शनिवार को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 08 जून 2026, सोमवार को महिला एवं पुरुष की सायं 4 से 5 बजे, ब्रज कला केन्द्र, मसानी तिराहा, मथुरा पर होगी।

स्व. अतुल अग्रवाल शोरा वाला

शोकाकुल

शालिनी अग्रवाल (धर्मपत्नी)

प्रद्युम्न, दिव्यांशी अग्रवाल (पुत्र, पुत्री)

अमित – अर्चना अग्रवाल
अंशुल – अनीता अग्रवाल
गौरव – श्रुति अग्रवाल
मुदित – शिखा अग्रवाल
अंकित – दीप्ती अग्रवाल
रोहित – कंचन अग्रवाल
पारस – आस्था अग्रवाल
(भाई – भाभी)

श्रीमती रश्मि अग्रवाल (माताजी)

कुमकुम – स्व. रमेश चन्द
मोती चन्द – स्व. शशि अग्रवाल
दिनेश चन्द्र – सुनीता अग्रवाल
विमल कुमार – सुधा अग्रवाल
(चाचा – चाची जी)

स्व. अलका – हरिओम अग्रवाल
सुरभि – स्व. नवीन अग्रवाल
शिल्पी – पारस अग्रवाल
(बहिन–बहनोई)

रिद्धि, सिद्धी, कृष्णा, महक, वंश, दृष्टि, कार्तिक, हर्षित, केशव, माधव, रूद्र, प्रथम, अर्क, एकांश, नक्ष (भतीजे–भतीजी)

एवं समस्त शोरा वाला परिवार

-: प्रतिष्ठान :-

- राधिका टेक्नोलॉजी
- राधिका कैमीकल
- राधिका पोशाक एण्ड अंकलेट्स
- राधिका श्रृंगार

काशी कॉम्पलैक्स, मसानी, मथुरा

मो. 8272025501, 9837002482, 9927086336

ससुराल पक्ष

हरीशंकर कसेरे (ससुर जी), हितेश, संदीप अग्रवाल (सालेगण)

हरीशंकर एण्ड कम्पनी, विश्राम घाट, मथुरा

जगदीश अग्रवाल के 191 रनों ने मचाया धमाल

बलदेव ब्लॉक की ऐतिहासिक जीत

यूनिक समय, मथुरा। लेंस स्पोर्ट्स कॉर्पोरेट क्रिकेट कप–2026 सीजन–एक के लीग मुकाबले में ब्लॉक बलदेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेएसआर वॉरियर्स को 121 रनों से करारी शिकस्त दी। हरीश राघव क्रिकेट ग्राउंड मथुरा में खेले गए 20 ओवर के इस मुकाबले में बलदेव की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 299 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जगदीश अग्रवाल ने 72 गेंदों में 191 रनों की रिकॉर्डतोड़ पारी खेली, जिसमें 16 चौके और 17 छक्के शामिल रहे। वहीं विनीत चौधरी ने 41 गेंदों पर 84 रनों की शानदार पारी खेलकर उनका भरपूर साथ दिया। दोनों बल्लेबाजों ने विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। 300 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जेएसआर वॉरियर्स की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 178 रन ही बना सकी। टीम की ओर से रोहित सिंह ने नाबाद 66 रन बनाए, जबकि डॉ. दुष्यंत वैष्णव ने 37 रनों का योगदान दिया, लेकिन दोनों बल्लेबाज टीम को जीत नहीं दिला सके। बलदेव की ओर से कप्तान अजीत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट हासिल किए। इसके अलावा भीम परमार, मोहित कुमार सारस्वत, मनीष यादव, बांके बिहारी सारस्वत, अभिषेक शेरा और इंद्रपाल सिंह ने एक–एक विकेट लेकर जेएसआर वॉरियर्स की बल्लेबाजी को बिखेर दिया। मैच में 191 रनों की ऐतिहासिक पारी खेलने वाले जगदीश अग्रवाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संस्कृत भारती के आवासीय प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ

संस्कार और संस्कृति की जननी है संस्कृत भाषा

उत्तराखंड,मेरठ, ब्रज प्रांत के 100 से अधिक प्रशिक्षणार्थी ले रहे हैं भाग

यूनिक समय मथुरा। संस्कृत को जनसाधारण की भाषा बनाने के उद्देश्य से संस्कृत भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के 17 जून तक चलने वाले आवासीय प्रबोधन वर्ग का श्री कृष्णचंद्र गांधी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में शुभारंभ हुआ। यह वर्ग 17 जून तक आयोजित होगा।

विहिप ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल को सम्मानित करते आचार्य ब्रजेन्द्र नागर।

समारोह के मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद ब्रज प्रांत अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि जसवंत सिंह भदौरिया ग्रुप के चेयरमैन– शिक्षाविद् डॉ हरिकृष्ण भदौरिया ने संस्कृत भाषा को ज्ञान–विज्ञान की भाषा बताते हुए, कहा कि संस्कृत भाषा संस्कार और संस्कृति की जननी है। अध्यक्षता संस्कृत भारती ब्रज प्रांत न्यास अध्यक्ष ओमप्रकाश बंसल ने की। पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संगठन मंत्री देवेन्द्र पंड्या ने संस्कृत भारती के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण वर्ग की विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि 12 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण वर्ग उत्तराखंड,मेरठ, ब्रज प्रांत के प्रशिक्षणार्थियों के लिए आयोजित किया गया है। वर्ग में शामिल सौ प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने प्रांतों में संस्कृत भाषा का घर-घर प्रचार–प्रसार करेंगे। प्रबोधन वर्ग को व्यवस्थित सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रमुख समाजसेवी ब्रजेश शर्मा को वर्गाधिकारी बनाया गया। इस अवसर पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत अध्यक्ष तुलसी देवी ने संस्कृत भाषा को सभी भाषाओं की जननी बताया। ब्रज प्रांत मंत्री डॉ धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल ने अतिथियों का परिचय दिया। संस्कृत भारती मथुरा अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, उपाध्यक्ष आचार्य मुरलीधर चतुर्वेदी, हरस्वरुप यादव, प्रधानाचार्य विनय सिंह, राजीव पाठक, प्रदीप श्रीवास्तव, संपर्क प्रमुख संदीप चौधरी, सुभाष सैनी,राधाकांत,डा. जमुना शर्मा, कविता सक्सेना आदि ने अतिथियों को सम्मानित किया। ब्रजप्रांत सहमंत्री गौरव गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संचालन संस्कृत भारती विभाग संयोजक श्यामसुंदर शर्मा ने किया। समापन कल्याणमंत्र के साथ किया गया।

उमस भरी गर्मी से छुड़ाया पसीना और चढ़ेगा पारा

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को उमस भरी गर्मी और गर्म बयार ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। तेज धूप और हवा में नमी की अधिकता के कारण दिनभर लोगों को असहजता का सामना करना पड़ रहा है। देर शाम हल्की बूंदाबादी होने लगी।

मौसम में आए बदलाव से अब तो सुबह से ही पसीना आने का सिलसिला शुरू हो जाता है,जबकि दोपहर के समय उमस का असर और अधिक बढ़ जाता है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार फिलहाल कम दिखाई दे रहे हैं।

आज अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 29.3 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह से ही वातावरण में चिपचिपाहट महसूस की गई। धूप तेज होने के साथ ही उमस का प्रभाव भी बढ़ता गया। बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को गर्मी और उमस के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग छांव और ठंडे स्थानों की तलाश करते नजर आए। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही भी अपेक्षाकृत कम दिखाई दी। लोगों का कहना है कि इस समय गर्मी का असर सामान्य दिनों की तुलना में अधिक महसूस हो रहा है।

दिनभर बार–बार पसीना आने से लोगों को थकान और बेचैनी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और बाहर काम करने वाले लोगों के लिए स्थिति अधिक चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मौसम का मिला–जुला स्वरूप बना हुआ है। अगले दिनों के दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है।

गर्मियों का सुपरफूड खरबूजा दिल से किडनी तक रखे दुरुस्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में सबसे ज्यादा जरूरी है पानी पीना। क्योंकि पानी की कमी से शरीर डिहाइड्रेट हो सकता है। जिसके चलते आपको कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। जिस कारण आपको अपनी डाइट का पूरा- पूरा ख्याल रखना पड़ेगा। आप ऐसे हेल्दी फूड्स डाइट में शामिल करें जिसमें पानी की मात्रा ज्यादा हो। जैसे तरबूज, खीरा, ककड़ी, आम, लीची के अलावा खरबूजा इस मौसम में आने वाले फलों में से एक है। बात करें खरबूजे की तो इसका स्वाद और सुगंध बहुत ही अच्छी होती है। इसमें पाए जाने वाली विटामिन सी, बी1, बी6 पोटेशियम, फोलेट, कॉपर, मैग्नीशियम और डायट्री फाइबर जैसे पोषक तत्व शरीर के लिए बहुत ही आवश्यक होते हैं। ये पोषक तत्व शरीर को कई तरह की बीमारियों से दूर रखते हैं। इसका सेवन करने से शरीर ठंडा भी रहता है और सेहत को कई तरह के फायदे भी मिलते हैं। तो चलिए जानते है इसके सेवन से हमे क्या फायदे हो सकते है।

कब्ज में फायदेमंद: खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और फाइबर पाया जाता है। जिससे डायजेशन अच्छा होता है और कब्ज की समस्या दूर रहती है।

दिल के लिए फायदेमंद: खरबूजे का नियमित रूप से सेवन करने से दिल संबंधी बीमारियों के खतरे से बच सकते हैं। इसमें मौजूद एडिनोसिन शरीर में खून को पतला करता है, जिससे रक्त गाढ़ा होने से बचा रहता है। साथ ही इससे कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में रहता है, जिससे आप हार्ट अटैक, कार्डियक अरेस्ट, स्ट्रोक जैसी प्रॉब्लम्स से बचे रहते हैं।

मजबूत हड्डियां व मांसपेशियां: विटामिन सी से भरपूर होने के कारण इसका सेवन हड्डियों व मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है। साथ ही इससे आप जोड़ों व गठिया जैसी समस्याओं से भी बचे रहते हैं। अगर आपको खरबूजा नहीं पसंद तो आप खरबूजे का शेक भी पी सकते है।

गर्भवती महिलाओं के लिए फायदेमंद फोलिक एसिड अक्सर उन महिलाओं को देने की सलाह दी जाती है जो गर्भवती होने के लिए कोशिश कर रही है या जो पहले से ही गर्भवती हैं। खरबूजे में भरपूर फोलेट होता है, जो गर्भवती महिलाओं में नए कोशिकाओं के उत्पादन में मदद करता है और यह भ्रूण में ट्यूब विकारों को भी रोकता है।

किडनी के लिए फायदेमंद: किडनी स्टोन की समस्या से परेशान हैं तो खरबूजे का सेवन करें। खरबूजे में भरपूर मात्रा में पानी और ऑक्सीकाइन होता है जो किडनी स्टोन की समस्या को ठीक करने में मदद कर सकता है।

आंखों के लिए फायदेमंद: खरबूजे का सेवन आंखों के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। खरबूजे में विटामिन ए बीटा-कैरोटीन पाया जाता है जो आंखों की रोशनी बढ़ाने और मोतियाबिंद के खतरे को कम करने में मदद कर सकता है।

इम्यूनिटी के लिए बहुत अच्छा: इसको खाने से वायरस, बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा कम रहता है और ये इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में मदद करता है। इसलिए आप इसका सेवन कर सकते हैं।

जानकारी...धूप में खड़ी कार में बैठने से पहले खिड़की खोले

बंद कार में एसी ऑन कर बच्चों को न छोड़ें अकेला

यूनिक समय, मथुरा। हीट वेव को लेकर अलर्ट रहना जरूरी है। थोड़ी सी लापरवाही से जान जोखिम में पड़ सकती है। यह लाइन उन लोगों को अलर्ट करने के लिए लिखी जा रही है, जो धूप में खड़ी बंद कार में एसी ऑन कर बच्चों को अकेला छोड़ कर कहीं चले जाते हैं। उसका परिणाम क्या हो सकता है, उसके बारे में सोच नहीं सकते हैं।

पिछले दिनों कई जगह से ऐसी खबर आई हैं कि चिलचिलाती धूप में खड़ी बंद कार में एसी ऑन कर बच्चों को अकेला छोड़कर माता-पिता बाजार में सामान खरीदने या फिर किसी और काम से चले जाते हैं। आकर देखा कि बच्चा कार के अंदर घुटन के कारण मर गया। कई बार ऐसा भी हुआ कि खड़ी कार के अंदर बच्चा घुस गया और वह खेलने लगा। काफी देर बाद घुटन महसूस होने पर बच्चे ने लॉक खोलने की कोशिश की, किंतु लॉक खुल नहीं सका। परिणाम अच्छा नहीं आया। बच्चा काफी देर तक लॉक खोलने के चक्कर में घुटन महसूस करने के बाद जान गंवा बैठा।

विशेषज्ञों के मुताबिक कारों में लगे डैश बोर्ड, सीट कवर, मैट, छत, हैंडल व एयर फ्रेशनर में कई

केमिकल के साथ बेंजीन मौजूद होता है। धूप होने पर यह बेंजीन सक्रिय हो जाता है। बेंजीन एक एरोमैटिक यौगिक होता, जिसमें गंध होती है। यह सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले रसायनों में से एक है, जो दैनिक उपयोग के उत्पादों जैसे डिटर्जेंट, प्लास्टिक और रबर आदि के निर्माण में इस्तेमाल किया जाता है। बेंजीन एक तरल है जो रंगहीन और ज्वलनशील होता है, जिसमें एक मीठी गंध होती है।

जब बहुत देर धूप में पार्किंग में खड़ी कार का गेट खोलकर चालक अंदर बैठता है तो प्लास्टिक के साथ कुछ दूसरे केमिकल की दुर्गंध महसूस होती है। इस

धूप में खड़ी कार में बैठने पर आती है अजीब दुर्गंध

पर ध्यान देना बेहद जरूरी है। यही दुर्गंध संकेत देती है कि एसी ऑन करने से पहले खिड़की के शीशे उतार दें। बेंजीन बेहद खतरनाक हाइड्रोकार्बन है, जो शरीर के लिए घातक है।

विशेषज्ञों की मानें तो धूप में खड़ी कार में पॉलिश से ओजोन, हाइड्रोजन डाइऑक्साइड व कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों का उत्सर्जन होता रहता है। इससे इंसान का दम घुट सकता है। इससे इंसान की मौत हो जाती है। विशेषज्ञनों ने बताया कि आप कार में आराम कर रहे हैं या बच्चों को अकेला छोड़कर जा रहे हैं तो अलर्ट रहें। कार में वेंटिलेशन बेहद जरूरी है। यदि एसी भी चला रहे हैं तो एक बार कार के चारों शीशे डाउन करके हवा आने दें, एसी ऑन करें और फिर कार के शीशे ऊपर कर लें। कार में रेस्ट कर रहे हैं और कार धूप में खड़ी है तो लंबे समय तक एसी ऑन न रखें। बीच में खिड़की खोलकर बंद कर सकते हैं।

चाय के बाद पानी का सेवन आपको कहीं इन परेशानियों में न डाल दे

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुबह बिस्तर से उठने के बाद चाय मिल जाए तो दिन बन जाता है। इसे पीने से हमे एनर्जी मिलती है और हमारी नीद अच्छे से खुल जाती है। लेकिन आपने सुना होगा कि चाय के बाद पानी नहीं पीना चाहिए। इससे सेहत को नुकसान पहुंचता है। सवाल यह है कि क्या पानी वाकई आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। पानी को बहुत ही ताकतवर पेय माना जाता है। ऐसे में क्या यह कहना सही होगा कि पानी पीने से परेशानी हो सकती है। तो चलिए जानते है इसके बारे में।

चाय पीने के बाद पानी पीने से पेट में गैस बन सकती है। पेट फूलना, कब्ज आदि की समस्या हो सकती है। चाय के तुरंत बाद पानी पीने से गले में खराश पैदा होती है। इसके तहत आपको सर्दी जुकाम का खतरा हो सकता है। आपके नाक से खून भी निकल सकता है। खासतौर पर गर्मियों के मौसम में चाय के बाद पानी के सेवन से आपका शरीर और आहार नली एकदम से गर्म ठंडा सह नहीं पाती और नाक से ब्लीडिंग होने के चांस बढ़ जाते हैं। इसके अलावा यह दांतों को भी नुकसान पहुंचा सकता है ठंडा और गर्म दांतों के लिए हानिकारक होता है। गर्म चाय पीने के बाद जब आप पानी पीते हैं तो आपके दांतों में कैविटी और झनझनाहट की समस्या हो सकती है पहले गर्म और फिर मुंह के अंदर ठंडे पानी से मुंह का तापमान बदल जाता है। जो मसूड़ों की नसों को नुकसान पहुंचा सकता है।अक्सर लोग दो-तीन बार चाय या कॉफी पी ही लेते हैं। हालांकि ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं होता कि चाय और कॉफी दोनों एसिडिक होती है और दोनों से पेट में गैस बनती हैं। चाय पीने के 20 से 25 मिनट बाद पानी पीना सही माना जाता है। ऐसा करने से आपके शरीर को चाय की गर्मी को एडजस्ट करने का मौका मिल जाएगा और फिर पानी पिया जाए तो शरीर उसे स्वीकार कर लेगा। हां आप चाहें तो चाय पीने से पहले पानी पी सकते हैं। इसका फायदा होगा कि आपके शरीर का पीएच बैलेंस हो जाएगा।

सत्तू के नियमित सेवन से दूर रहती हैं कई बीमारियां

यूनिक समय, मथुरा। स्वास्थ्य को हेल्दी बनाए रखने के लिए सत्तू से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। बता दें कि सत्तू का इस्तेमाल सबसे ज्यादा गर्मियों में होता है इससे शरीर को ठंडक मिलती है और पेट की कई बीमारियां दूर होती है। अगर आपको भी कोई कब्ज या गैस की समस्या है तो आज से ही इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते है इसे खाने का तरीका और फायदे।

सत्तू की तासीर ठंडी होती है जिससे गर्मियों में इसका सेवन करने से लू और डिहाइड्रेशन की समस्या नहीं होती। सत्तू का शरबत पीने से पेट और शरीर ठंडा रहता है। शरीर में तुरंत एनर्जी चाहिए तो आप सत्तू का शर्बत पिएं। तीखी धूप और पसीने से अगर आप थका हुआ महसूस करते है तो आपको इसका शरबत पीना चाहिए। लू लगने से बचने के लिए आप सत्तू का सहारा ले सकते है। रोजाना इसके सेवन से आपका शरीर ठंडा

रहेगा। इसमें मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम ऐपेटाइज इंप्रूव होता है। ऐसे में अगर आपको भूख ना लगने की समस्या है तो आप सत्तू का नियमित सेवन करें। जब भी आप बाहर से आएं और आपको थकान या कमजोरी महसूस हो तो आप सत्तू का सेवन करें। ये आपके शरीर को ताकत देगा और गर्मी से होने वाली तमाम समस्याओं जैसे उल्टी, मितली, चक्कर, दस्त आदि से बचाएगा।

इसमें फाइबर की प्रचुर मात्रा होने के कारण ये पाचन तंत्र के लिए भी काफी अच्छा होता है। इसे लेने से कब्ज, गैस, एसिडिटी आदि समस्याएं नहीं होतीं। पेट साफ होता है. पेट साफ होने से शरीर भी तमाम परेशानियों से बचा रहता है। गर्मियों में अगर आप शरीर में प्रोटीन की कमी को दूर करना चाहते हैं तो डाइट में शामिल करने के लिए इससे बेहतर कोई विकल्प नहीं। गर्मियों में आप पानी में घोलकर सेवन कर सकते है। लेकिन अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं या वजन कम करने के इच्छुक हैं तो इसमें चीनी की बजाय नमक डालें और नींबू, भुना जीरा डालकर पीएं। दिनभर में एक या दो बार से ज्यादा न लें। इसका आप शरबत भी बनाकर पी सकते हैं।

सुविचार

खुश रहने का सबसे आसान तरीका है, हर छोटी खुशी की कद्र करना।

कल का पंचांग

तिथि	अष्टमी	03:24-03:23 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वभाद्रपदा	09:09-09:39 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:27 AM	चन्द्रोदय	12:13 AM
सूर्यास्त		7:08 PM	चंद्रास्त	12:08 PM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त		11:50AM -12:45 PM	ब्रह्म् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:10 AM: 08:53 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

घर में इस दिशा में लगाएं खाटू श्यामजी की तस्वीर

मिलेगा 'हारे के सहारे' का आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान खाटू श्यामजी को कलियुग का देवता माना जाता है। श्रद्धालु उन्हें 'हारे के सहारे' के रूप में पूजते हैं और जीवन की कठिनाइयों से मुक्ति की कामना करते हैं। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर देश के प्रमुख तीर्थस्थलों में गिना जाता है, जहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। हालांकि जो भक्त मंदिर नहीं जा पाते, वे अपने घर में खाटू श्यामजी

ईशान कोण में स्थापना मानी जाती है शुभ

पूजा के दौरान रखें स्वच्छता और श्रद्धा का ध्यान

की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित कर उनकी आराधना करते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में खाटू श्यामजी की तस्वीर लगाने के लिए सही दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। विशेषज्ञों के मुताबिक पूजा कक्ष या घर के मंदिर में भगवान की तस्वीर उत्तर–पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में लगाना सबसे शुभ माना जाता है। यह दिशा देवी–देवताओं की दिशा मानी जाती है और यहां पूजा करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि ईशान कोण उपलब्ध न हो तो पूर्व दिशा में भी तस्वीर स्थापित की जा सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान की तस्वीर ऐसी जगह लगानी चाहिए जहां नियमित रूप से साफ–सफाई होती रहे और पूजा–अर्चना में कोई बाधा न आए। वहीं शयनकक्ष, रसोईघर, बाथरूम के पास या सीढ़ियों के नीचे खाटू श्यामजी की तस्वीर लगाने से बचना चाहिए। इसके अलावा तस्वीर या प्रतिमा को सीधे जमीन पर रखना भी उचित नहीं माना जाता। पूजा के दौरान कुछ विशेष नियमों का पालन करना भी महत्वपूर्ण बताया गया है। पूजा से पहले स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान को चंदन, धूप, दीप, पुष्प तथा प्रसाद अर्पित करें। खाटू श्यामजी को विशेष रूप से गुलाब के फूल और इत्र अर्पित करना शुभ माना जाता है। श्रद्धालु पूजा के समय 'ॐ श्री श्याम देवाय नमः' मंत्र का जाप कर सकते हैं या श्याम बाबा के भजनों का पाठ कर सकते हैं।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक विद्वानों का कहना है कि केवल तस्वीर स्थापित करना ही पर्याप्त नहीं है। नियमित रूप से दीपक जलाना, आरती करना और श्रद्धा भाव से भगवान का स्मरण करना भी आवश्यक है। मान्यता है कि ऐसा करने से घर में सुख–समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति का वातावरण बना रहता है। विशेषज्ञों के अनुसार पूजा में दिशा और नियमों का महत्व जरूर है, लेकिन सबसे अधिक आवश्यक सच्ची श्रद्धा और विश्वास है। सच्चे मन से की गई आराधना ही भगवान की कृपा प्राप्त करने का सबसे सरल मार्ग मानी जाती है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके काम गति पकड़ेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, यात्रा के योग बन सकते हैं।

वृषभ: दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा। व्यापार में लाभ के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात खुशी दे सकती है। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और निवेश से पहले पूरी जानकारी अवश्य लें।

मिथुन: कल आपकी वाणी और बुद्धिमत्ता लोगों को प्रभावित करेगी। नौकरी में सराहना मिल सकती है। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। मानसिक तनाव कम होगा और आत्मविश्वास मजबूत रहेगा।

कर्क: भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। कार्यस्थल पर धैर्य बनाए रखना लाभकारी रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही करने से बचना बेहतर होगा।

सिंह: कल नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता के संकेत हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। व्यापार में नई योजनाएं लाभ देंगी। परिवार का सहयोग मिलेगा और किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या: दिन व्यस्तता भरा रह सकता है, लेकिन मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लाभ संभव है।

तुला: भाग्य का साथ मिलने से कई कार्य आसानी से पूरे होंगे। शिक्षा और करियर से जुड़े मामलों में प्रगति होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रेम जीवन में खुशियां आएंगी। यात्रा लाभदायक सिद्ध हो सकती है।

वृश्चिक: कल सावधानी और संयम से काम लेना जरूरी होगा। किसी विवाद से दूर रहें। आर्थिक मामलों में सोच–समझकर निर्णय लें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु: साझेदारी के कार्यों में सफलता मिल सकती है। नौकरी और व्यापार दोनों क्षेत्रों में लाभ के संकेत हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। आत्मविश्वास और ऊर्जा में वृद्धि होगी।

मकर: प्रतिस्पर्धी माहौल में आपकी मेहनत रंग लाएगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान बढ़ सकता है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। स्वास्थ्य में सुधार होगा। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ: रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग हैं। प्रेम संबंधों में सकारात्मकता रहेगी। निवेश के लिए समय अनुकूल माना जा सकता है। परिवार से सहयोग मिलेगा और मन प्रसन्न रहेगा।

मीन: घर–परिवार से जुड़े मामलों में व्यस्तता बढ़ सकती है। संपत्ति संबंधी कार्यों में प्रगति संभव है। नौकरी में स्थिरता बनी रहेगी। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और संतुलित दिनचर्या अपनाएं।

पुरुषोत्तम मास: जहां समुद्र तट पर साथ विराजते हैं हरि और हर

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर भगवान विष्णु की आराधना का विशेष महत्व माना जाता है। ऐसे में तमिलनाडु के महाबलीपुरम स्थित प्राचीन शोर मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित यह मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता बल्कि अद्भुत स्थापत्य कला के लिए भी विश्वभर में प्रसिद्ध है।

चेन्नई से लगभग 55 किलोमीटर दूर महाबलीपुरम (मामल्लापुरम) में स्थित शोर मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में पल्लव वंश के राजा नरसिंहवर्मन द्वितीय ने कराया था। इसे दक्षिण भारत के सबसे पुराने संरचनात्मक मंदिरों में गिना जाता है।

इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां भगवान शिव और भगवान विष्णु दोनों की उपासना की जाती है। मंदिर परिसर में शिवलिंग स्थापित है, वहीं भगवान विष्णु की शयन मुद्रा वाली प्रतिमा भी विराजमान है। यही कारण है कि यह मंदिर शैव और

वैष्णव परंपराओं के सुंदर समन्वय का प्रतीक माना जाता है। ग्रेनाइट पत्थरों से निर्मित यह मंदिर द्रविड़ स्थापत्य शैली का उत्कृष्ट नमूना है। समुद्र तट के बिल्कुल निकट स्थित होने के कारण इसकी भव्यता और भी बढ़ जाती है। मंदिर का मुख्य भाग पूर्व दिशा की ओर है, जहां सूर्योदय की पहली किरण पड़ते ही इसका दृश्य बेहद मनमोहक दिखाई देता है। इतिहासकारों के अनुसार शोर मंदिर कभी समुद्र तट

8वीं शताब्दी का शोर मंदिर आस्था का अद्भुत केंद्र

महाबलीपुरम में दिखती है इतिहास और आध्यात्म की झलक

पर बने सात भव्य मंदिरों के समूह का हिस्सा था। समय के साथ समुद्री लहरों ने अधिकांश संरचनाओं को अपने भीतर समा लिया, लेकिन शोर मंदिर आज भी मजबूती से खड़ा है। वर्ष 2004 की सुनामी के दौरान यहां कुछ प्राचीन अवशेष दिखाई देने के बाद इस क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व पर नई चर्चाएं शुरू हुई थीं। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त यह मंदिर भारतीय संस्कृति, आस्था और स्थापत्य कौशल का जीवंत प्रतीक माना जाता है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु और पर्यटक यहां पहुंचकर इसकी भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव करते हैं।

अंतिम समय लिया नारायण नाम, महापापी ब्राह्मण को भी मिला मोक्ष

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म के प्रमुख ग्रंथ श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित अजामिल की कथा भगवान के नाम–स्मरण की महिमा को दर्शाती है। यह कथा बताती है कि सच्चे पश्चाताप और प्रभु के नाम का स्मरण मनुष्य के जीवन में कितना बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

कन्नौज नगरी में अजामिल नाम का एक ब्राह्मण रहता था। वह वेदों का ज्ञाता, धार्मिक प्रवृत्ति का व्यक्ति और भगवान विष्णु का भक्त था। उसके परिवार में वृद्ध माता–पिता और पतिव्रता पत्नी थीं। जीवन सुख और धर्म के मार्ग पर चल रहा था, लेकिन एक दिन उसका जीवन पूरी तरह बदल गया।

कहा जाता है कि जंगल में एक वेश्या को देखकर अजामिल उसके मोह में पड़ गया।

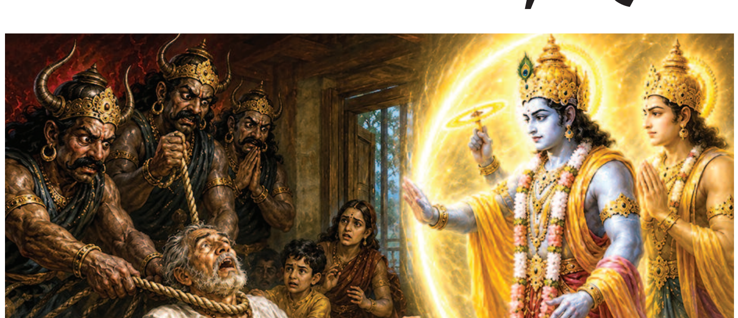

वासना के प्रभाव में उसने धर्म का मार्ग छोड़ दिया और अपनी पत्नी तथा माता–पिता का त्याग कर दिया। धीरे–धीरे वह चोरी, डकैती और अन्य अधर्मपूर्ण कार्यों में लिप्त हो गया। समय बीतने के साथ उसकी पहचान एक महापापी व्यक्ति के रूप में होने लगी। बुढ़ापे में अजामिल के घर एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसका नाम उसने नारायण रखा। वह अपने पुत्र से अत्यधिक प्रेम करता था और दिनभर उसे पुकारता रहता था। अनजाने में ही उसके मुख से बार–बार

यमदूतों से छूटकर बैकुंठ पहुंचा अजामिल

श्रीमद्भागवत पुराण की प्रेरणादायक कथा

"नारायण" नाम का उच्चारण होता रहता था।

जब अजामिल की आयु लगभग 80 वर्ष की हुई तो उसका अंतिम समय आ पहुंचा। पुराणों के अनुसार उसके सामने यमदूत प्रकट हुए और उसकी आत्मा को ले जाने लगे। भय और पीड़ा के उस क्षण में अजामिल ने जोर से "नारायण" पुकारा। वह अपने पुत्र को बुला रहा था, लेकिन भगवान विष्णु के नाम का उच्चारण होने के कारण तत्काल विष्णुदूत वहां प्रकट हो गए। विष्णुदूतों ने यमदूतों को रोकते हुए कहा कि जिसने अंतिम समय में भगवान नारायण का नाम लिया है, उसके पाप नष्ट हो सकते हैं। इसके बाद यमदूत वहां से लौट गए और अजामिल को जीवन का एक और अवसर मिला। इस घटना से अजामिल को अपनी गलतियों का गहरा पश्चाताप हुआ। उसने सांसारिक मोह त्यागकर हरिद्वार में तपस्या और भगवान की भक्ति का मार्ग अपनाया। जीवन के अंतिम समय तक उसने प्रभु का स्मरण किया। पुराणों के अनुसार मृत्यु के बाद विष्णुदूत उसे बैकुंठ धाम ले गए। यह कथा संदेश देती है कि मनुष्य चाहे कितना भी भटक जाए, सच्चा पश्चाताप, सत्कर्म और ईश्वर भक्ति उसे सही मार्ग पर लौटा सकते हैं।

सम्पादकीय

मथुरा में सपनों की कोचिंग, तनाव की डिग्री

मथुरा कभी अपनी संस्कृति, श्रद्धा और आध्यात्मिक विरासत के लिए जानी जाती थी। आजकल एक नई पहचान भी तेजी से जुड़ रही है–कोचिंग संस्थानों का शहर। गली–गली में बड़े–बड़े होर्डिंग्स, टॉपर्स की मुस्कुराती तस्वीरें और सफलता के दावे ऐसे दिखाई देते हैं मानो नौकरी नहीं, सीधे स्वर्ग का टिकट बांटा जा रहा हो।

हर साल हजारों छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग संस्थानों का रुख करते हैं। माता–पिता अपनी जमा–पूंजी खर्च करते हैं और बच्चे अपने सपनों को बैग में भरकर सुबह से शाम तक क्लास, टेस्ट और नोट्स के बीच दौड़ते रहते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये संस्थान केवल सपने गढ़ रहे हैं या अनजाने में तनाव की एक नई दुनिया भी तैयार कर रहे हैं?

पवन गौतम
संपादक

मथुरा में आजकल सफलता का पैमाना बड़ा सरल हो गया है। यदि किसी छात्र का चयन हो गया तो वह "परिवार का गौरव" कहलाता है, और यदि असफल हो गया तो उसे सलाहों का मुफ्त पैकेज मिल जाता है। रिश्तेदारों से लेकर पड़ोसियों तक सभी के पास करियर विशेषज्ञ बनने का लाइसेंस मानो पहले से मौजूद है।

व्यंग्य की बात यह है कि यहां कई छात्र परीक्षा से ज्यादा इस बात से डरते हैं कि रिजल्ट आने के बाद मोहल्ले वालों के सवालों का सामना कैसे करेंगे। "बेटा, चयन हुआ या नहीं?" यह सवाल अब शुभकामनाओं से ज्यादा दबाव का प्रतीक बन गया है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

कोचिंग संस्थानों के विज्ञापन भी कम दिलचस्प नहीं हैं। एक छात्र के चयन पर सौ पोस्टर लग जाते हैं, लेकिन हजारों असफल छात्रों की कहानी कहीं दिखाई नहीं देती। सफलता का मंच जगमगाता है, जबकि संघर्ष अक्सर पर्दे के पीछे छिपा रहता है।

सच यह है कि प्रतियोगी परीक्षाएं जीवन का एक हिस्सा हैं, पूरा जीवन नहीं। हर छात्र का लक्ष्य सरकारी नौकरी ही हो, यह जरूरी नहीं। समाज और परिवार को भी यह समझना होगा कि बच्चों पर अपेक्षाओं का इतना बोझ न डालें कि सपनों की उड़ान तनाव के बोझ तले दब जाए।

मथुरा को जरूरत केवल अच्छे कोचिंग संस्थानों की नहीं, बल्कि ऐसे माहौल की भी है जहां युवा सफलता के साथ–साथ असफलता को भी सहजता से स्वीकार करना सीखें। क्योंकि सपने तभी सुंदर लगते हैं, जब उनके साथ मानसिक संतुलन और आत्मविश्वास भी बना रहे।

नजरिया

अमेरिकी विदेश मंत्री की टिप्पणी से उठे कई सवाल

योगेंद्र योगी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का एक बयान भारत में मानवाधिकार, लोकतंत्र और जवाबदेही को लेकर नई बहस छेड़ गया है। दिल्ली में आयोजित क्वाड बैठक के दौरान जब उनसे अमेरिका में भारतीयों के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियों और हमलों के बारे में पूछा गया, तो उनका जवाब असाधारण रूप से स्पष्ट था। उन्होंने कहा कि दुनिया के हर देश में कुछ "बेवकूफ लोग" होते हैं जो नस्लवादी और आपत्तिजनक टिप्पणियां करते हैं, लेकिन ऐसी घटनाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रुबियो ने यह स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं दिखाई कि अमेरिका भी इस समस्या से पूरी तरह मुक्त नहीं है।

यहीं से एक बड़ा सवाल खड़ा होता है। क्या भारत में भी हम अपनी सामाजिक और संस्थागत कमियों को उसी ईमानदारी से स्वीकार करने का साहस रखते हैं? या फिर हर आलोचना को राजनीतिक चश्मे से देखकर खारिज कर देते हैं?

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। संविधान समानता, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी देता है। इसके बावजूद जातिवाद, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और सामाजिक भेदभाव जैसी समस्याएं आज भी हमारे सामाजिक ढांचे का हिस्सा बनी हुई हैं। चुनावी राजनीति में इन मुद्दों का इस्तेमाल भी खुलकर होता है। लगभग हर राजनीतिक दल समय–समय पर अपने हितों के अनुसार इन संवेदनशील विषयों को उछालता रहा है। ऐसे माहौल में रुबियो की टिप्पणी केवल अमेरिका की सफाई नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर एक व्यापक टिप्पणी बन जाती है।

मानवाधिकारों के संदर्भ में भारत के सामने सबसे गंभीर प्रश्नों में से एक पुलिस हिरासत में होने वाली मौतों का है। यह केवल कानून–व्यवस्था का मामला नहीं, बल्कि संविधान और नागरिक अधिकारों की विश्वसनीयता का प्रश्न भी है। किसी भी व्यक्ति को अदालत द्वारा दोषी सिद्ध किए जाने से पहले अपराधी नहीं माना जा सकता। लेकिन जब कोई व्यक्ति पुलिस हिरासत में अपनी जान गंवा देता है, तो लोकतांत्रिक व्यवस्था की नैतिकता पर सवाल खड़े होते हैं।

अमेरिका में वर्ष 2020 में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। एक पुलिस अधिकारी द्वारा उनकी गर्दन पर कई मिनट तक घुटना रखे जाने के कारण हुई मौत का वीडियो सामने आते ही देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। "ब्लैक लाइव्स मैटर" आंदोलन ने नस्लीय भेदभाव और पुलिस सुधारों को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया। अदालत ने दोषी अधिकारी को सजा सुनाई और पूरे देश में जवाबदेही की मांग तेज हुई। भारत में भी हिरासत में मौतों की घटनाएं लगातार सामने आती हैं, लेकिन वे शायद ही कभी राष्ट्रीय आत्ममंथन का विषय बन पाती हैं। कुछ दिन मीडिया में चर्चा होती है, राजनीतिक बयानबाजी होती है और फिर मामला धीरे–धीरे ठंडा पड़ जाता है। पीड़ित परिवार न्याय की प्रतीक्षा में वर्षों तक भटकते रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट कई बार स्पष्ट कर चुका है कि हिरासत में हिंसा और मौतें लोकतंत्र पर धब्बा हैं। अदालत ने पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, गिरफ्तारी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अनेक दिशानिर्देश दिए हैं। इसके बावजूद हालात पूरी तरह नहीं बदले हैं। इसका एक बड़ा कारण जवाबदेही का कमजोर तंत्र है।

समस्या यह भी है कि अधिकांश मामलों में जांच उसी पुलिस व्यवस्था के भीतर होती है, जिस पर आरोप लगे होते हैं। इससे निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। सबूतों की कमी, गवाहों का मुकर जाना और लंबी कानूनी प्रक्रिया अक्सर दोषियों को सजा से बचा लेती है। यही वजह है कि हिरासत में मौतों के मामलों में दोषसिद्धि की दर बेहद कम रहती है।

भारत ने 1997 में संयुक्त राष्ट्र के यातना विरोधी सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन आज तक यातना रोकने के लिए कोई व्यापक और स्वतंत्र कानून नहीं बना पाया है। वर्षों से विशेषज्ञ और मानवाधिकार संगठन ऐसी व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, जो हिरासत में हिंसा को स्पष्ट रूप से परिभाषित करे और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे।

यह भी सच है कि पुलिस बल अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। बढ़ता अपराध, सीमित संसाधन, स्टाफ की कमी और राजनीतिक दबाव जैसी समस्याएं वास्तविक हैं। लेकिन इन चुनौतियों के बावजूद मानवाधिकारों की रक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। एक आधुनिक लोकतंत्र की पहचान यही है कि वह कानून लागू करते हुए भी नागरिक अधिकारों की रक्षा करे।

रुबियो के बयान का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यही है कि समस्याओं को स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि सुधार की पहली शर्त है। अमेरिका में नस्लवाद है, यह स्वीकार किया जाता है। बहस होती है, विरोध होता है और सुधार की मांग उठती है। भारत में भी यदि हिरासत में मौतों, पुलिस अत्याचार और मानवाधिकार उल्लंघनों पर उसी गंभीरता से चर्चा हो, तो लोकतंत्र और मजबूत हो सकता है।

लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ है नागरिक की गरिमा की रक्षा, सत्ता की जवाबदेही और कानून के समक्ष समानता। किसी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसकी अर्थव्यवस्था या सैन्य क्षमता से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिक को कितना न्याय दे सकता है।

मार्को रुबियो का बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने एक असहज लेकिन जरूरी सवाल हमारे सामने रख दिया है–क्या हम अपनी कमियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारने के लिए तैयार हैं, या फिर हर आलोचना को नकारकर आगे बढ़ जाना चाहते हैं? लोकतंत्र की मजबूती का रास्ता आत्ममंथन से होकर ही गुजरता है। यही इस पूरे प्रसंग का सबसे बड़ा संदेश है।

विचार विण्डो

तृणमूल में बढ़ती दरारें और ममता के सामने बड़ी चुनौती

बोध प्रकाश सगुणी

पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। लंबे समय से राज्य की सत्ता पर काबिज तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर उभरता असंतोष और नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवाल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की चिंताओं को बढ़ा रहे हैं। पार्टी के कुछ नेताओं और विधायकों की नाराजगी ने यह संकेत दिया है कि संगठन के भीतर सब कुछ सामान्य नहीं है। यह स्थिति केवल किसी एक दल का आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक राजनीति में नेतृत्व, संगठन और जनता के बीच संबंधों को समझने का भी अवसर प्रदान करती है।

ममता बनर्जी ने संघर्ष और जनआंदोलनों के बल पर पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन के तीन दशक लंबे दौर का अंत किया था। उनकी छवि एक जुझारू और जनहितैषी नेता की रही है। लेकिन सत्ता में लंबे समय तक बने रहने के बाद राजनीतिक परिस्थितियां बदलती हैं और नेतृत्व के सामने नई चुनौतियां खड़ी होती हैं। तृणमूल कांग्रेस भी आज उसी दौर से गुजरती दिखाई दे रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि किसी भी दल में निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण समय के साथ असंतोष को जन्म देता है। जब संगठन की तुलना में व्यक्तियों का प्रभाव अधिक दिखाई देने लगता है, तब वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच दूरी बढ़ने लगती है। तृणमूल कांग्रेस में समय–समय पर सामने आए विवाद और नेताओं की नाराजगी इसी ओर संकेत करते हैं। हाल के घटनाक्रमों ने यह सवाल भी खड़ा किया है कि क्या पार्टी के भीतर संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा पहले जैसी मजबूत बनी हुई है।

भारतीय राजनीति का इतिहास बताता है कि सत्ता और जनसमर्थन कभी स्थायी नहीं होते। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। देश में कई ऐसे उदाहरण रहे हैं, जहां मजबूत राजनीतिक दल और लोकप्रिय नेता जनता की अपेक्षाओं पर खरे न उतरने के कारण कमजोर पड़ गए। जनता हमेशा जवाबदेही, पारदर्शिता और

जनसेवा को महत्व देती है। जब किसी सरकार या दल की कार्यशैली को लेकर सवाल उठने लगते हैं, तो उसका असर धीरे–धीरे जनसमर्थन पर भी दिखाई देने लगता है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के सामने केवल संगठनात्मक चुनौती ही नहीं है, बल्कि अपनी सार्वजनिक छवि को मजबूत बनाए रखने की भी चुनौती है। पिछले कुछ वर्षों में भर्ती घोटाले, प्रशासनिक विवाद और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों ने सरकार और पार्टी दोनों को विपक्ष के निशाने पर रखा है। इन घटनाओं ने जनता के बीच कई प्रश्न खड़े किए हैं।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता का विश्वास सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी माना जाता है। यदि यह विश्वास कमजोर पड़ता है तो उसका प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ सकता है।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अपनी राजनीतिक उपस्थिति लगातार मजबूत की है। कभी सीमित प्रभाव रखने वाली भाजपा आज राज्य की प्रमुख विपक्षी ताकत बन चुकी है। इसके पीछे संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति को महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नागरिकता, सीमा सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाकर अपनी राजनीतिक जमीन तैयार की है।

हालांकि किसी भी दल की दीर्घकालिक सफलता केवल वैचारिक मुद्दों या राजनीतिक नारों से सुनिश्चित नहीं होती। जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून–व्यवस्था और बेहतर प्रशासन भी चाहती है। इसलिए सभी राजनीतिक दलों के लिए आवश्यक है कि वे जनकल्याण और सुशासन को प्राथमिकता दें। केवल विरोध की राजनीति या भावनात्मक मुद्दों के सहारे लंबे समय तक जनसमर्थन बनाए रखना आसान नहीं होता।

तृणमूल कांग्रेस के सामने आज सबसे बड़ी आवश्यकता आत्ममंथन की है। पार्टी को संगठन के भीतर संवाद बढ़ाने, कार्यकर्ताओं को अधिक महत्व देने और जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता को मजबूत करने की दिशा में प्रयास करने होंगे। लोकतांत्रिक दलों की असली ताकत उनके कार्यकर्ता, संगठन और विचार होते हैं। यदि संगठनात्मक ढांचा मजबूत रहता है तो राजनीतिक चुनौतियों का सामना अपेक्षाकृत आसानी से किया जा सकता है।

ममता बनर्जी अब भी पश्चिम बंगाल की राजनीति की सबसे प्रभावशाली नेताओं में गिनी जाती हैं। उनके पास जनाधार, प्रशासनिक अनुभव और राजनीतिक कौशल का लंबा अनुभव है। लेकिन बदलते राजनीतिक माहौल में केवल करिश्माई नेतृत्व पर्यप्त नहीं होता। जनता अपेक्षा करती है कि नेतृत्व संवाद स्थापित करे, आलोचनाओं को सुने और समय के अनुसार सुधार के कदम उठाए।

आने वाले वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह काफी हद तक तृणमूल कांग्रेस की रणनीति और उसके संगठनात्मक सुधारों पर निर्भर करेगा। यदि पार्टी असंतोष को दूर करने, पारदर्शिता बढ़ाने और जनविश्वास को मजबूत करने में सफल रहती है तो वह अपनी स्थिति को फिर से सुदृढ़ कर सकती है। लेकिन यदि आंतरिक मतभेद बढ़ते रहे और जनता की अपेक्षाओं को पर्याप्त महत्व नहीं मिला, तो राजनीतिक चुनौतियां और गंभीर हो सकती हैं।

लोकतंत्र का मूल संदेश यही है कि सत्ता अस्थायी होती है, लेकिन जनता का विश्वास स्थायी महत्व रखता है। जो दल जनता की आकांक्षाओं को समझते हैं, समय के साथ स्वयं को बदलते हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं, वही लंबे समय तक राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहते हैं। पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियां इसी सत्य की एक और मिसाल प्रस्तुत करती हैं।

श्रेयस नहीं बदलेंगे अपनी पहचान और नेतृत्व शैली

यूनिक समय, दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान बने श्रेयस अय्यर ने कहा कि वह कप्तानी मिलने के बाद भी अपनी पहचान और नेतृत्व शैली नहीं बदलेंगे। वह किसी की छाया में नहीं रहेंगे।

भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम की कप्तानी मिलने के बाद भी वह अपने व्यक्तित्व और सोच में कोई बदलाव नहीं करेंगे। उनका मानना है कि नेतृत्व की जिम्मेदारी निभाने के लिए किसी और जैसा बनने की जरूरत नहीं है। 31 वर्षीय अय्यर को शनिवार को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। उन्होंने इस पद पर सूर्यकुमार यादव की जगह ली है, जिन्होंने मार्च में भारत को टी20 विश्व कप का खिताब दिलाया था।

अय्यर ने कहा, 'मुझे अपनी पहचान बदलने की जरूरत नहीं है। मैं वही इंसान रहूंगा जैसा पहले था। मुझे किसी और की छाया में रहने या किसी की तरह बनने की आवश्यकता नहीं है।'अय्यर ने कहा कि मुंबई में क्रिकेट का स्तर और प्रतिस्पर्धा बेहद उंची है, जिसने उन्हें चुनौतियों का सामना करना सिखाया। उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से ही चुनौतियों का सामना करना पसंद करता हूं। मुंबई में हर दूसरा बच्चा मुंबई टीम का प्रतिनिधित्व करना चाहता है। यहां प्रतिस्पर्धा बहुत ज्यादा है और इसी माहौल ने मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। नए कप्तान ने बताया कि उनका लक्ष्य हमेशा जीत हासिल करना रहा है। सीखना और जीतना दोनों महत्वपूर्ण हैं, लेकिन खेल का आनंद लेना और प्रतिस्पर्धी स्वभाव विकसित करना आपको एक अलग स्तर पर पहुंचाता है।' अय्यर ने कहा कि भारतीय टीम की कप्तानी उनके लिए एक बड़ी जिम्मेदारी होने के साथ-साथ एक रोमांचक चुनौती भी है।

श्रेयस अय्यर आयरलैंड के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टी20 सीरीज में पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। अय्यर ने दिसंबर 2023 में अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे, लेकिन शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने वापसी की और अब टीम की कमान भी संभालेंगे।

पूर्व भारतीय कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने अय्यर की कप्तानी का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन से यह जिम्मेदारी हासिल की है। गांगुली ने कहा, 'श्रेयस ने अच्छा प्रदर्शन किया है और उन्होंने यह अवसर कमाया है।

मैं यह नहीं कहूंगा कि सूर्यकुमार यादव को हटाना गलत फैसला है। चयनकर्ताओं ने सोच-समझकर निर्णय लिया है।' उन्होंने संकेत दिया कि चयनकर्ताओं को टीम के भविष्य को ध्यान में रखते हुए फैसले लेने का पूरा अधिकार है।

दो दशक तक दबदबा बनाए रखना चाहते हैं वैभव सूर्यवंशी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत की नई युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने कहा है कि वह अगले 10-20 वर्षों तक अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। वैभव को हाल ही में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

आईपीएल 2026 में धमाकेदार प्रदर्शन का इनाम वैभव सूर्यवंशी को मिल गया है। 15 वर्षीय बल्लेबाज को आयरलैंड-इंग्लैंड और एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। वैभव का कहना है कि वह सिर्फ खेलना नहीं चाहते हैं, बल्कि अगले 10 से 20 वर्षों तक अपने खेल से दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। राजस्थान रॉयल्स द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर वैभव का एक इंटरव्यू शेयर किया गया है। इस इंटरव्यू में बात करते हुए वैभव ने बताया कि वह ऐसा क्रिकेट खेलना चाहते हैं, जिसे देखकर लोग बाद में यह कहें कि एक बल्लेबाज अकेले दम पर मैच जिता देता था।

वैभव ने कहा, मैंने सोचा है कि मैं 20 साल या जब तक भी क्रिकेट खेलूं और किसी भी टीम की तरफ से खेलूं, तो ऐसा खेलूं कि लोग मैच देखें या फिर बाद में सोचें तो यह कहें कि एक खिलाड़ी अकेले मैच खत्म कर देता था। वो दबदबा दिखना चाहिए, जिसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं। ऐसा नहीं खेलना है कि खेला और बस मैच खत्म हो गया।

वैभव के पास अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने का सुनहरा मौका होगा। टीम इंडिया के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी माना कि वैभव ने अपने प्रदर्शन के बूते चयन समिति को उन्हें टीम में शामिल करने पर मजबूर किया। आईपीएल 2026 वैभव के लिए गजब का रहा। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए वैभव ने 16 पारियों में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप को अपने नाम किया। वैभव ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 72 छक्के लगाए और क्रिस गेल का रिकॉर्ड ध्वस्त किया।

कप्तानी छिनने के बाद सूर्य कुमार ने दी टीम को बधाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेयस अय्यर को भारत का नया टी20 कप्तान बनाया गया है। कप्तानी छिनने के बावजूद सूर्यकुमार ने टीम इंडिया को शुभकामनाएं दीं और युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के ऐतिहासिक चयन पर जमकर तारीफ की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए टीम इंडिया की घोषणा के बाद टी20 विश्व कप विजेता कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पहली बार प्रतिक्रिया दी है। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारत का नया टी20 कप्तान नियुक्त किया है।

कप्तानी से हटाए जाने के बावजूद सूर्यकुमार यादव ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए टीम इंडिया को आगामी चुनौतियों के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इंग्लैंड दौरे के लिए चुनी गई भारतीय टीम की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'इस बेहद प्रतिभाशाली समूह को आने वाली चुनौतियों के लिए ढेरों शुभकामनाएं।' टीम की घोषणा के बाद बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सूर्यकुमार यादव के कप्तानी कार्यकाल की सराहना की। बोर्ड ने लिखा कि सूर्यकुमार ने शानदार नेतृत्व का उदाहरण पेश किया और उनके कार्यकाल का समापन भारत की ऐतिहासिक टी20 विश्व कप जीत के साथ हुआ। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने इस साल टी20 विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। टीम इंडिया न सिर्फ लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी, बल्कि अपने घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी बनी।

भारत के शिकंजे में अफगानिस्तान मानव-कृष्णा ने झटके पांच विकेट

यूनिक समय, नई दिल्ली। शुभमन गिल और केएल राहुल के शतकों की बदौलत भारत ने पहली पारी 564/8 पर घोषित की तो भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अफगानिस्तान को 113/5 पर रोककर मैच में मजबूत पकड़ बना ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच में दूसरे दिन मेजबान टीम ने पूरी तरह से दबदबा बनाए रखा। पहले भारतीय बल्लेबाजों ने विशाल स्कोर खड़ा किया, फिर गेंदबाजों ने अफगानिस्तान के शीर्ष क्रम को झकझोरते हुए मैच पर भारत की पकड़ मजबूत कर दी। भारत ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 564 रन बनाकर घोषित की। जवाब में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अफगानिस्तान ने 39.5 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाए। मेहमान टीम अभी भी भारत के स्कोर से 451 रन पीछे है।

फैंस का समर्थन हमें बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है: हरमनप्रीत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टी20 विश्व कप से पहले कहा है कि प्रशंसकों के बढ़ते सहयोग से टीम बेहतर करने के लिए प्रेरित हो रही है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए इंग्लैंड में मौजूद है। वनडे विश्व कप 2025 जीतने के बाद टीम इंडिया को टी20 विश्व कप में भी खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। कप्तान हरमनप्रीत कौर का कहना है कि अब ज्यादा प्रशंसक महिला क्रिकेट से जुड़ रहे हैं। बढ़ता हुआ समर्थन हम सभी को लगातार बेहतर करने और अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। हरमनप्रीत कौर ने कहा, मैं बाहरी दबाव के बारे में ज्यादा सोचने की कोशिश नहीं करती। मेरा ध्यान तैयारी, टीम में योगदान देने और वर्तमान पल में रहने पर होता है। इतने वर्षों में, मुझे अहसास हुआ है कि इस स्तर पर उम्मीदें हमेशा रहें।

बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में की गई कड़ी मेहनत पर हरमनप्रीत ने कहा, इस तरह के कैंप किसी बड़े टूर्नामेंट से पहले एक ग्रुप के तौर पर लय और आत्मविश्वास बनाने में मदद करते हैं। युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ ज्यादा समय बिताने का मौका भी मिलता है। हमने टीम में हर खिलाड़ी की भूमिका स्पष्ट करने पर काफी काम किया, जो टी20 क्रिकेट में बहुत जरूरी है।टी20 में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी पर हरमनप्रीत ने कहा, टी20 क्रिकेट लगातार बदल रही है। खिलाड़ी के तौर पर हमें भी खेल की जरूरतों के हिसाब से खुद को बदलना होगा। ज्यादा आक्रामक होने का मतलब अपने नैचुरल गेम को पूरी तरह बदलना नहीं, बल्कि ज्यादा प्रोएक्टिव होना और हालात के हिसाब से सोच-समझकर जोखिम उठाना है। कोच अमोल सर के साथ हुई चर्चाओं से उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिली जहां मैं गेंदबाजों पर ज्यादा दबाव बना सकती थी और स्कोरिंग के बेहतर विकल्प तलाश सकती थी।

टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का रहा है दबदबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 विश्व कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भारत जहां इस टूर्नामेंट में अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश करेगी तो वहीं न्यूजीलैंड की नजरें खिताब का बचाव करने की होंगी। इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है।

महिला टी20 विश्व कप 2026 का आगाज 12 जून से होने जा रहा है। यह विश्व कप का 10वां संस्करण होगा। महिला टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया का पूरी तरह से दबदबा रहा है। वहीं, भारतीय टीम अब तक कभी इस प्रारूप में विश्व कप का खिताब अपने नाम नहीं किया है। भारत ने पिछले साल अपनी सरजमीं पर वनडे विश्व कप जीतकर अपना पहला आईसीसी खिताब जीता था। अब उसकी नजरें फटाफट क्रिकेट में भी अपना दम दिखाने पर होंगी।

महिला टी20 विश्व कप को सर्वाधिक बार जीतने वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रही है। कंगारू टीम ने कुल छह बार इस ट्रॉफी को अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार साल 2010 में विश्व कप के खिताब पर कब्जा जमाया था। इसके बाद 2012, 2014, 2018, 2020 और 2023 में भी टीम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट की चैंपियन बनी। महिला टी20 वर्ल्ड कप के खिताब को इंग्लैंड ने एक बार अपने नाम किया है। इंग्लैंड टूर्नामेंट के पहले संस्करण में चैंपियन बनी थी। इंग्लिश टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पूरी टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड ने 167 रनों के लक्ष्य को छह विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था। इंग्लैंड 2012, 2014 और 2018 में फाइनल तक भी पहुंची, लेकिन टीम को खिताबी मुकाबले में तीनों ही बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज ने भी महिला टी20 वर्ल्ड कप को एक बार अपने नाम किया है। साल 2016 में कैरेबियाई टीम ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में आठ विकेट से हराते हुए खिताब पर कब्जा जमाया था। वेस्टइंडीज ने पिछले दो विश्व कप को जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का फाइनल मुकाबले में हैट्रिक लगाने का सपना तोड़ा था। साल 2024 में खेले गए महिला टी20 विश्व कप को न्यूजीलैंड ने जीता था। फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 32 रनों से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 158 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम नौ विकेट खोकर 126 रन ही बना सकी थी। अमेलिया केर की कप्तानी में न्यूजीलैंड टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने दो ओवरलोड डंपर पकड़े, मचा हड़कंप

यूनिक समय, आगरा। एत्मादपुर क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए दो ओवरलोड डंपर जब्त किए हैं। यह कार्रवाई छलेसर चौकी क्षेत्र में की गई, जहां सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों वाहनों को मौके से पकड़ लिया।

सूत्रों के अनुसार, मिट्टी से लदे ये दोनों डंपर बिना वैध अनुमति के संचालित किए जा रहे थे। बताया जा रहा है कि कुछ लोग विकास प्राधिकरण के नाम का दुरुपयोग कर खाली प्लॉट में अवैध रूप से मिट्टी भराई का काम कर रहे थे।

इसी सूचना के बाद पुलिस सक्रिय

हुई और पूरे इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि क्षेत्र से ओवरलोड डंपर गुजरने वाले हैं। इसके बाद तत्काल नाकेबंदी कर दोनों वाहनों को रोक लिया गया। जांच के दौरान चालक किसी भी प्रकार के वैध दस्तावेज और खनन से जुड़े कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके।

इस कार्रवाई के बाद दोनों डंपरों को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और अवैध खनन में शामिल लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के बाद क्षेत्र में खनन माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

हाईकोर्ट ने पुलिस व्यवस्था पर उठाए सवाल

राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित प्रशासनिक व्यवस्था

निर्दोष महिला को 80 दिन जेल

यूनिक समय, गाजियाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि कई मामलों में कार्रवाई राजनीतिक प्रभाव से प्रभावित दिखाई देती है, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। अदालत ने यह टिप्पणी गाजियाबाद के एक जमीन विवाद से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की।

हाईकोर्ट ने कहा कि कई बार अफसरों की तैनाती और निर्णय योग्यता के बजाय राजनीतिक नजदीकियों के आधार पर होते हैं। इससे पुलिस की कार्यशैली प्रभावित होती है और कुछ मामलों में निर्दोष लोगों को भी गलत तरीके से कठोर कानूनों के दायरे में ला दिया जाता है। मामला गाजियाबाद के एक परिवार से जुड़ा है, जिसमें जमीन विवाद को लेकर दर्ज केस में गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। पुलिस ने दावा किया था कि आरोपी एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, लेकिन कोर्ट को इस दावे के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले।

अदालत ने पाया कि ललिता त्यागी को बिना पर्याप्त जांच के गिरफ्तार कर लगभग 80 दिन जेल में रखा गया। बाद में कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट की पूरी कार्रवाई रद्द कर दी। हाईकोर्ट ने अधिकारियों को भविष्य में अधिक सावधानी और निष्पक्षता के साथ निर्णय लेने की सलाह दी।

दुल्हन भागी, निकाह में मचा जमकर बवाल

छोटी बहन को बैठाकर किया निकाह

प्रेमी पहुंचे, फायरिंग में कई घायल

यूनिक समय, बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में निकाह समारोह के दौरान एक हैरान करने वाली घटना सामने आई, जहां दुल्हन शादी से पहले अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। इसके बाद परिवार ने स्थिति संभालने के लिए दुल्हन की छोटी बहन को दूल्हे के सामने बैठा दिया, लेकिन मामला और बिगड़ गया और शादी समारोह हिंसक बवाल में बदल गया।

जानकारी के अनुसार, बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक बरातघर में शनिवार को निकाह का आयोजन था। दूल्हा बारात लेकर तय समय पर पहुंचा, लेकिन दुल्हन के गायब होने की खबर ने सभी को चौंका दिया। बताया गया कि दुल्हन एक रात पहले ही जेवर लेकर प्रेमी के साथ भाग गई थी।

स्थिति को संभालने के लिए परिवार ने आनन-फानन में दुल्हन की छोटी बहन को निकाह के लिए तैयार किया और उसे दूल्हे के सामने बैठा दिया। इस

फैसले का दूल्हे ने कड़ा विरोध किया। इसी बीच छोटी बहन का कथित प्रेमी भी मौके पर पहुंच गया और उसने भी शादी का विरोध शुरू कर दिया।

इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई, जो जल्द ही मारपीट में बदल गई।

बरातघर के बाहर भी हंगामा फैल गया और हालात बेकाबू हो गए। आरोप है कि इस दौरान फायरिंग भी हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए और एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना के कारण इलाके में अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई की जा रही है।

आगरा में शंकराचार्य के सियासी बयान से मची हलचल

भाजपा और गाय मुद्दे पर टिप्पणी

मुगलों अंग्रेजों पर भी दिया बयान

यूनिक समय, आगरा। आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के बयानों के बाद राजनीतिक और धार्मिक माहौल गरमा गया है। उन्होंने गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर सवाल उठाए और कहा कि इस मुद्दे पर लंबे समय से वादे किए जा रहे हैं लेकिन पूरा नहीं किया गया।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि वे गाय संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से यात्रा कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी में विचारों का विभाजन है और एक पक्ष गाय को माता मानता है जबकि दूसरा पक्ष इस विचार से सहमत नहीं दिखता। उनके अनुसार, यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं बल्कि आस्था और संस्कृति से जुड़ा हुआ है।

अपने संबोधन में उन्होंने यह

भी कहा कि शंकराचार्यों का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन कुछ लोग उनके प्रति अपमानजनक रवैया अपनाते हैं।

उन्होंने दावा किया कि इतिहास में मुगलों और अंग्रेजों के समय में भी शंकराचार्यों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं हुआ जैसा आज के समय में देखने को मिलता है।

उन्होंने सरकारों से अपील की कि गाय को आधिकारिक रूप से राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि जो भी दल इस प्रस्ताव को स्वीकार करेगा, वही उनके अनुसार सही दिशा में काम करेगा। उनके इस बयान के बाद स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है और राजनीतिक हलकों में भी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

नेशनल हाईवे हादसे में एसीएमओ की दर्दनाक मौत

डंपर की टक्कर से बाइक सवार मरा

पूर्व एसीएमओ डॉ. महेंद्र की मौत

यूनिक समय, बिजनौर। मेरठ-पौड़ी नेशनल हाईवे पर रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पूर्व एसीएमओ डॉ. महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। यह दुर्घटना धर्मानगर गांव के पास उस समय हुई जब वे अपनी बाइक से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर जा रहे थे।

जानकारी के अनुसार, डॉ. महेंद्र अपने आवास से सुबह स्वास्थ्य केंद्र के लिए निकले थे। जैसे ही वे धर्मानगर के पास पहुंचे, सामने से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिर पड़े और डंपर का पहिया उनके ऊपर से गुजर गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

डॉ. महेंद्र बिजनौर स्वास्थ्य विभाग में एसीएमओ के पद पर कार्यरत रह चुके थे और सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्हें सेवा विस्तार दिया गया था। वे अपने सरल स्वभाव और जनसेवा के लिए जाने जाते थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

बर्क ने मुठभेड़ों और बुलडोजर कार्रवाई पर उठाए सवाल

मस्जिद ध्वस्तीकरण को बताया अन्यायपूर्ण कार्रवाई

कानून में दोहरे मापदंड का आरोप

यूनिक समय, संभल। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने संभल जिले के कसेरूवा गांव में मस्जिद पर हुई बुलडोजर कार्रवाई और प्रदेश में हुई कुछ मुठभेड़ों को लेकर सरकार तथा प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कानून का पालन करते समय सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए और किसी भी मामले में दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए।

सांसद बर्क ने सोशल मीडिया पर जारी प्रतिक्रिया में दावा किया कि मस्जिद पर की गई कार्रवाई से स्थानीय लोगों में नाराजगी और दुख का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने लोगों की आपत्तियों और कानूनी पक्षों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उनके अनुसार ऐसी कार्रवाइयों से लोगों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित हो सकता है। एक कार्यक्रम के दौरान बर्क ने प्रदेश में हुई कुछ पुलिस मुठभेड़ों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि वास्तविक मुठभेड़ वही मानी जानी चाहिए, जिसमें आरोपी द्वारा गोलीबारी किए जाने के बाद पुलिस जवाबी कार्रवाई करे। उन्होंने इससे जुड़े चर्चित एनकाउंटर को लेकर भी अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच की आवश्यकता बताई। सांसद ने कहा कि किसी भी अपराधी को सजा देने का अधिकार न्यायालय को है और कानून के दायरे में रहकर ही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी अपराध या हिंसक कृत्य का समर्थन नहीं करते। उनका कहना था कि संविधान और कानून के अनुसार सभी मामलों में समान और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

भाजपा सांसद ने साधा तीखा निशाना

टीएमसी का फ्यूज उड़ा, बंगाल ने नकारा

यूनिक समय, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में झटका मिलने के बाद टीएमसी के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है और पार्टी के नेता भी अब ममता बनर्जी से दूरी बनाने लगे हैं।

लखनऊ में पत्रकारों से बातचीत करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि बंगाल की जनता ने टीएमसी को पूरी तरह नकार दिया है। उनके अनुसार ममता बनर्जी के शासनकाल में हुए कथित

अत्याचारों और विवादों से पार्टी के नेता भी असहज महसूस कर रहे हैं। यही कारण है कि अब उनके अपने सहयोगी भी उनसे किनारा करते दिखाई दे रहे हैं।

भाजपा सांसद ने दावा किया कि ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हालिया बैठक में पार्टी के अधिकांश सांसद शामिल नहीं हुए। उन्होंने इसे टीएमसी के भीतर बढ़ते असंतोष का संकेत बताया। शर्मा ने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि पार्टी के अंदर नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि टीएमसी के कई नेता और सांसद संगठन की कार्यप्रणाली से नाराज हैं। वहीं विपक्षी गठबंधन की आगामी बैठकों और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के बीच पार्टी नेतृत्व के सामने नई चुनौतियां खड़ी होती दिखाई दे रही हैं।

ममता से दूर होने लगे नेता:डॉ. दिनेश शर्मा

डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है और बंगाल की जनता ने अपना संदेश स्पष्ट रूप से दे दिया है। हालांकि टीएमसी की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में और भी महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिल सकते हैं।

पुणे रेव पार्टी पर पुलिस का बड़ा शिकंजा

बंगले से नशे की हालत मिले 156 लोग, 85 लाख का सामान जब्त

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पुणे में देर रात आयोजित एक हाई-प्रोफाइल रेव पार्टी पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 156 लोगों को मौके से हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी। क्राइम ब्रांच की टीम ने आलंदी-मरकल रोड स्थित तुलापुर क्षेत्र के एक बंगले में चल रही 'प्रोजेक्ट एक्स हाउस' नामक पार्टी पर छापेमारी की। पुलिस के अनुसार पार्टी में बड़ी संख्या में युवक-युवतियां मौजूद थे और कई लोग नशे की हालत में पाए गए।

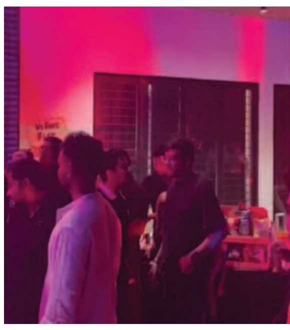

संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) गौहर हसन ने बताया कि पार्टी के संबंध में गुप्त सूचना मिलने के बाद रविवार तड़के करीब 2:30 बजे 15 अधिकारियों और 65 पुलिसकर्मियों की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान बंगले के अंदर 107 पुरुष और 49 महिलाएं मौजूद मिलीं। इनमें तीन लोगों की उम्र 21 वर्ष से कम पाई गई, जिसकी भी जांच की जा रही है।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि कार्यक्रम के लिए जारी शराब परोसने का परमिट शनिवार रात 11:30 बजे तक ही वैध था, लेकिन उसके बाद भी पार्टी जारी रखी गई। नियमों के उल्लंघन के चलते आयोजकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने लगभग 3 ग्राम गांजा बरामद किया। इसके अलावा तीन कप पॉट्स में रखे गए 10 प्रतिबंधित हुक्का फ्लेवर भी जब्त किए गए। मौके से करीब 9 लाख 22 हजार रुपये मूल्य का शराब का स्टॉक भी बरामद हुआ।

107 पुरूष और 49 महिलाएं शामिल थीं

9 लाख 22 हजार रुपये मूल्य का शराब स्टॉक बरामद

पुलिस जांच में ऐमन शेख (ब्लेज एंटरटेनमेंट) और यश चौधरी (स्टार लाइट एंटरटेनमेंट) को कार्यक्रम का प्रमुख आयोजक बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार छापेमारी के दौरान कुल मिलाकर लगभग 85 लाख रुपये मूल्य की सामग्री जब्त की गई है। बरामद संदिग्ध नशीली सामग्री को जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

छह हजार वेतन से बनाई करोड़ों की संपत्ति

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा में आय से अधिक संपत्ति के मामले में विजिलेंस विभाग की कार्रवाई के दौरान बड़ा खुलासा हुआ है। कंधमाल जिले के बालीगुडा में तैनात सहायक कार्यकारी इंजीनियर बैकुंठनाथ बेहरा के कई ठिकानों पर छापेमारी कर करोड़ों रुपये की नकदी और अचल संपत्तियों का पता लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार बैकुंठनाथ बेहरा ने वर्ष 1999 में जूनियर इंजीनियर के रूप में सरकारी सेवा शुरू की थी। उस समय उनकी मासिक सैलरी करीब छह हजार रुपये थी। आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिलने पर विजिलेंस विभाग ने विशेष न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त कर एक साथ नौ स्थानों पर छापेमारी की।

जांच के दौरान भुवनेश्वर में कई बहुमंजिला मकान और 13 भूखंडों

विजिलेंस छापे में करोड़ों नकदी बरामद

नौ ठिकानों पर चली जांच कार्रवाई

की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों को नीलाद्रि विहार, शैलश्री विहार और कानन विहार क्षेत्र में स्थित आलीशान भवनों का भी पता चला है।

सबसे बड़ा खुलासा बैंक लॉकरों की जांच में हुआ, जहां से करीब दो करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए। इसके अलावा घर से भी नकदी मिली है। सोने-चांदी के आभूषण, बैंक जमा और अन्य निवेशों का मूल्यांकन अभी जारी है। विजिलेंस विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहा है।

ईटीपी टैंक सफाई दौरान हुआ हादसा

जहरीली गैस से चार मजदूरों की दर्दनाक मौत

सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका

यूनिक समय, नई दिल्ली। गुजरात के सूरत शहर में एक औद्योगिक इकाई में हुए दर्दनाक हादसे में चार मजदूरों की जान चली गई। वराछा क्षेत्र स्थित एक ज्वेलरी यूनिट के इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से एक सुपरवाइजर सहित चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह टैंक की सफाई के लिए एक सुपरवाइजर और तीन मजदूर अंदर उतरे थे। सफाई के दौरान टैंक में मौजूद जहरीली गैस का प्रभाव इतना तेज था कि चारों का दम घुटने लगा और वे बेहोश होकर टैंक के भीतर गिर पड़े।

घटना की सूचना सुबह करीब 10:22 बजे फायर विभाग को दी गई। प्रारंभिक सूचना में केवल एक व्यक्ति के फंसे होने की बात सामने आई थी, लेकिन जब बचाव दल मौके पर पहुंचा तो टैंक के अंदर चार लोग अचेत अवस्था में मिले।

काफी मशक्कत के बाद उन्हें बाहर निकालकर तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

चारों को सूरत के स्मीमर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की आशंका जताई गई है। बताया जा रहा है कि मजदूरों ने टैंक में उतरते समय आवश्यक सुरक्षा उपकरण नहीं पहने थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नीट यूजी पेपर लीक की खबरें फर्जी: एनटीए

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट यूजी 2026 परीक्षा को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पेपर लीक और री-एग्जाम संबंधी दावों को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने पूरी तरह फर्जी बताया है। एजेंसी ने छात्रों और अभिभावकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। एनटीए के अनुसार कुछ असामाजिक तत्व और गिरोह फर्जी प्रश्नपत्र तथा भ्रामक जानकारी के जरिए छात्रों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित है और गोपनीयता बनाए रखने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। एनटीए ने बताया कि सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर फैलाए जा रहे भ्रामक कंटेंट की लगातार निगरानी की जा रही है। फर्जी जानकारी साझा करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को केवल एनटीए के आधिकारिक माध्यमों से जारी सूचनाओं पर ही भरोसा करने की सलाह दी गई है।

कार्यक्रम में विधायक मदन मित्रा पर फेंके अंडे

विरोध के बीच छोड़ना पड़ा कार्यक्रम

कमारहाटी में जनता का फूटा आक्रोश

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के कमारहाटी विधानसभा क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मदन मित्रा को एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के एक समूह ने उनके खिलाफ नारेबाजी करते हुए अंडे फेंक दिए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार मदन मित्रा निर्धारित कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने राज्य सरकार और टीएमसी के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते विरोध उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने विधायक को निशाना बनाकर अंडे फेंकने शुरू कर दिए।

हालात बिगड़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सुरक्षा घेरे में लिया, लेकिन तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए मदन मित्रा को कार्यक्रम बीच में छोड़कर लौटना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

गौरतलब है कि इससे पहले टीएमसी सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भी इसी तरह के विरोध का सामना करना पड़ा था। फिलहाल घटना को लेकर पुलिस और पार्टी नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। मामले को लेकर स्थानीय प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

घरेलू गैस सिलेंडर फिर महंगा, बढ़ेगा रसोई का खर्च

14.2 किलो सिलेंडर 29 रुपये महंगा, तीन महीनों में 89 रुपये वृद्धि

यूनिक समय, नई दिल्ली। घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की बढ़ोतरी कर दी गई है। नई दरें 7 जून से लागू हो गई हैं। इसके बाद दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 913 रुपये से बढ़कर 942 रुपये हो गई है।

यह तीन महीनों में दूसरी बार है जब एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले मार्च में प्रति सिलेंडर 60 रुपये की वृद्धि की गई थी। इस तरह तीन महीने के भीतर घरेलू गैस सिलेंडर कुल 89 रुपये महंगा हो चुका है।

विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने से ईंधन कीमतों पर दबाव बना हुआ है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर है, जिसके कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती कीमतों का सीधा असर घरेलू उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

सूत्रों का कहना है कि तेल कंपनियों को एलपीजी बिक्री पर लगातार नुकसान उठाना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए कीमतों में संशोधन किया गया है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां सामान्य होने पर भविष्य में राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारत की घटती जन्म दर पर मस्क ने जताई चिंता

रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंची दर

भविष्य की चुनौतियों को लेकर चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया के प्रमुख उद्योगपति और टेस्ला- स्पेसएक्स के प्रमुख एलन मस्क ने भारत की लगातार घटती जन्म दर को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत की कुल प्रजनन दर अब उस स्तर से नीचे पहुंच गई है, जो किसी देश की आबादी को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक मानी जाती है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत की कुल प्रजनन दर 1.9 पर पहुंच गई है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 माना जाता है। मस्क का कहना है कि शिक्षित वर्ग में यह गिरावट पहले से देखी जा रही थी, जो अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देने लगी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जन्म दर में गिरावट का यह सिलसिला जारी रहा तो आने वाले वर्षों में देश की कार्यशील आबादी कम हो सकती है और बुजुर्गों की संख्या बढ़ सकती है। इससे स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की आशंका है। हालांकि भारत अभी युवा आबादी वाला देश है, लेकिन बदलते जनसांख्यिकीय संकेत भविष्य के लिए नई चुनौतियों की ओर इशारा कर रहे हैं।

घरेलू विवाद में पत्नी-बेटे की गोली मार की हत्या

यूनिक समय, नई दिल्ली। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित अशोक विहार फेज-3 में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। एक निजी कंपनी में चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत व्यक्ति ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से पत्नी और बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी अनिल (50) और उसकी पत्नी आशा (45) के बीच अक्सर विवाद होता था। शनिवार देर रात दोनों के बीच कहासुनी बढ़ गई। शोर सुनकर दूसरे कमरे में सो रहा बेटा प्रशांत (25) बीच-

शवों के पास बैठा मिला आरोपी

बचाव करने पहुंचा, लेकिन आरोपी ने गुस्से में आकर पत्नी और बेटे पर गोलियां चला दीं। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर पड़ोसी घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और साक्ष्य जुटाए। अधिकारियों के मुताबिक जब पुलिस घर पहुंची तो आरोपी मृतकों के शवों के पास बैठा मिला।

नाले चौक, सर्विस मार्ग पर भरा गंदा पानी

सर्विस रोड पर वर्षा के पानी को निकालने को बनाए नाले बदहाल

सर्विस रोड पर जलभराव ओर कीचड़, राहगीर भी होते हैं परेशान

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान बरसात के पानी को निकालने के लिए बनाए गए नालों पर अब नगर पंचायत का कब्जा है। सर्विस रोड के सहारे बने इन नालों में कस्बा का गंदा पानी और पालीथिन आदि गंदगी गिरती है। अब यह नाले कचरे से भर गए हैं, ऐसे में गंदा पानी सर्विस रोड पर जमा हो रहा है, जिससे राहगीर और वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। वर्षा का पानी भी अब तक भरा है।

कस्बा के समीप से निकल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग का सर्विस रोड इन दिनों बदहाल है। एक ओर के सर्विस रोड के सहारे बने नालों में दुकानदारों की गंदगी और पानी भरा हुआ है, जबकि एक ओर के नाले में कस्बा के घरों से से आने वाला पानी गिर रहा है। अब सफाई के अभाव में दोनों ओर के नाले गंदगी और कचरे से ठसाठस भरे हुए हैं, जिससे गंदा पानी नालों से निकलकर सर्विस रोड पर भरने लगा है। अंडरपास से कस्बा की ओर आने वाले आधे मार्ग पर गंदा पानी चलता है, जिससे लोगों को राह निकलने में परेशानी होती है। गंदे पानी से निकलने वाली बाइकों की वजह से लोगों के कपड़े भी खराब होते हैं।

हाइवे के रखरखाब का काम देख रहे प्रबंधक संस्कार शर्मा का कहना है कि यह समस्या नगर पंचायत की देन है। नगर पंचायत हमारे नालों में कस्बा का पानी डाल रही है। सफाई कराने का काम नगर पंचायत का है।

नाले से निकलकर सर्विस मार्ग पर भरे गंदे पानी से निकलते वाहन।

वर्षा का पानी भी भरा है सर्विस मार्ग पर

सर्विस मार्ग पर कई जगह गंदा पानी भरा है, कीचड़ भी हो गई है। गंदगी से भरे नालों से पानी निकलकर सर्विस मार्ग पर जमा होता है। बीते दिनों हुई वर्षा का पानी भी सर्विस मार्ग पर भरा है, जिससे बैंक और आगरा की ओर जाने वालों को परेशानी होती है।

मथुरा नगर में पर्यटकों की घट रहीं संख्या पर चिंता

नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के संवाद समाधान कार्यक्रम को संबोधित करते डीएम सीपी सिंह। साथ है एसएसपी श्लोक कुमार एवं अन्य अधिकारी।

नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने किया संवाद से समाधान

डीएम- एसएसपी ने किया चैंबर की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण

यूनिक समय, मथुरा। रविवार को नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन रजि. ने संवाद से समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया। वक्ताओ ने मथुरा नगर में पर्यटकों की घट रहीं संख्या पर चिंता जताई। इस मौके पर डीएम और एसएसपी ने चेंबर की नई वेबसाइट का लोकार्पण भी किया।

चैंबर के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल 'ब्रजवासी' की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष केडी अग्रवाल ने मथुरा में घटते पर्यटन और उसके समाधान की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। बताया कि इस स्थिति का प्रमुख कारण श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अतिरिक्त द्वारिकाधीश मंदिर, यमुना घाटों और अन्य प्रमुख स्थलों तक बसों, टैक्सियों, अन्य वाहनों की सुगम-व्यवस्थित पहुंच का अभाव है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि सरकार की मंशा और मथुरा के धार्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए प्रशासन निरंतर प्रयासरत है, शीघ्र ही इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

चैंबर के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बजाज ने कहा कि विद्युत विभाग द्वारा नई वर्टिकल व्यवस्था लागू की गई है, लेकिन आम जनता को यह जानकारी नहीं है कि उनके क्षेत्र का संबंधित जेई-एसडीओ कौन है। इसलिए इस व्यवस्था के व्यापक प्रचार–प्रसार की आवश्यकता है। चैंबर के वरिष्ठ सदस्य देवेन चौधरी ने नवीन बस अड्डा के सफल संचालन के लिए एक ब्लूप्रिंट डीएम सीपी सिंह को दिया। डीएम सीपी सिंह ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्यमी- व्यापारी रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, इसलिए उनकी समस्याओं का त्वरित- प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए। संचालन चैंबर के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार अग्रवाल 'हाथीवाला' ने किया। चैंबर के महामंत्री रामप्रकाश अग्रवाल 'प्रेसवाला' ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम में प्रहलाद खंडेलवाल, तुषार हाथीवाला, अमित जैन, उमेश जुगसना, विशाल बंसल, मनीष शोरावाला, जेके कटारा, पवन चतुर्वेदी, अजय सिंह एडवोकेट, दीपक गोयल, अंकित बंसल, गजानंद अग्रवाल, अरविंद श्रीवास्तव, नरेन्द्र चौधरी, राजा अग्रवाल, पवन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में उद्योगपति, व्यापारी और नागरिक उपस्थित रहे।

राधा दामोदर लाल ने धारण किया माखन चोर का रूप

दर्शन कर निहाल हुए भक्त, जयकारों से गुंजायमान हुआ मंदिर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर में परंपरागत माखन चोरी लीला का आयोजन किया गया। इस प्रसंग को जीवंत रूप में देखने के लिए मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। ठाकुरजी के जयकारों और भजनों से पूरा मंदिर प्रांगण गुंजायमान हो उठा।

मंदिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी और आचार्य पूर्ण चंद्र गोस्वामी ने बताया कि ब्रज की यह माखन चोरी लीला केवल एक कथा नहीं है, बल्कि यह ठाकुरजी और भक्तों के बीच के अनन्य प्रेम का प्रतीक है।

उत्सव के तहत मंदिर प्रांगण को विशेष रूप से रंग–बिरंगे फूलों, गुब्बारों और सुंदर वस्त्रों से सजाया गया था। ठाकुर राधा दामोदर जी का दिव्य श्रृंगार देख भक्त भावविभोर हो उठे। लीला के दौरान जैसे ही बाल गोपाल के स्वरूपों ने माखन की मटकी फोड़ी, वैसे ही पूरा परिसर 'हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' और 'राधा दामोदर देव की जय' से गूंज उठा। कलाकारों ने ब्रज के पारंपरिक पदों और भजनों का गायन किया, जिस पर श्रद्धालु स्वयं को थिरकने से नहीं रोक पाए। मंदिर की ओर से माखन और मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया। विदेशी भक्तों में भी इस लीला को लेकर खासा उत्साह देखा गया। आचार्य करुण गोस्वामी महाराज ने बताया कि ठाकुर राधा दामोदर मंदिर जीवंत सेवा और भक्ति का केंद्र है।

राधा दामोदर मंदिर में माखन चोर लीला की झांकी के दर्शन।

मथुरा से उठी गाय को राष्ट्र गो माता घोषित करने की मांग

गो सम्मान आह्वान अभियान की जिला बैठक को संबोधित करते प्रखर हिंदूवादी नेता-जिला प्रमुख गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। गो सम्मान आह्वान अभियान की जिला बैठक चित्रकूट धाम परिसर में हुई।

गो सम्मान आह्वान अभियान के राष्ट्रीय सम्पर्क प्रमुख गोपेश बाबा ने हिंदू समाज को जागृत कर जीवन की आधार गोमाता की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्र माता घोषित करने के लिए केंद्र सरकार को बाध्य करने के लिए सतत जनसंपर्क के साथ हस्ताक्षर अभियान चलाने का आह्वान किया।

लक्ष्य की पूर्ति के लिए 1966 में गौ रक्षा आंदोलन में भागीदारी कर चुके प्रखर हिंदूवादी नेता गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी को जिला प्रमुख का दायित्व घोषित किया। अभियान के राज्य प्रमुख सुनील सिंह ने विगत 27 अप्रैल को तहसील केंद्रों पर राष्ट्रपति के नाम प्रेषित ज्ञापन कार्यक्रमों के सफल होने के पश्चात आगामी कायक्रम के अनुसार जिला केंद्रों पर पुनः ज्ञापन के लिए व्यापक हस्ताक्षर अभियान के संचालन के लिए गो भक्तों के दायित्वों की घोषणा की। उन्होंने गोभक्त पवन दुबे एडवोकेट, धीरज कौशिक, डा . गोविन्द, भरत गौतम, अंतो पंडित और विकास पंडित को जिला संयोजक, विजय बहादुर सिंह को जिला प्रवक्ता, सोनम दीदी को जिला मीडिया प्रभारी, मथुरा महानगर प्रभारी आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, संयोजक सुभाष सैनी, मीडिया प्रभारी रामदास चतुर्वेदी, व्यवस्था प्रभारी जुगलकिशोर अग्रवाल बैंक वाले, देवालय संपर्क प्रमुख पंकज चतुर्वेदी, सह सम्पर्क प्रमुख महेन्द्र सिंह राजपूत को नियुक्त किया । बैठक में रामगोपाल शर्मा, मनुरिषि त्रिवेदी, संजय बिजली वाले, मदनमोहन राजपूत, तुलसीदास ' भगत जी ' धर्माचार्य मुरलीधर चतुर्वेदी आदि उपस्थित थे।

भगवान श्री परशुराम शोभायात्रा समिति के उपाध्यक्ष बने विनोद दीक्षित

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्री परशुराम शोभा यात्रा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा एडवोकेट और राष्ट्रीय महामंत्री बंसीलाल शर्मा ने विनोद दीक्षित को समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

राधारानी सेवा समिति के वार्षिकोत्सव पर छप्पन भोग

राधारानी को 56 भोग अर्पित करते राधारानी सेवा समिति के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, राया। श्री राधारानी सेवा समिति के बैनर तले संचालित 124 वी मासिक पदयात्रा और 12 वां वार्षिकोत्सव मनाया गया। रविवार प्रातः रेतिया बाजार राधागोपालजी मंदिर से पदयात्रा कृष्ण-राधा डोले के साथ हरिनाम संकीर्तन के साथ राधारानी मंदिर पहुंची। यहां संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंदिर पर छप्पनभोग अर्पित किए गए, फूलबंगला सजाया।

इस अवसर पर पवन गोयल, भूपेश अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, मोहित अग्रवाल, जयप्रकाश पाठक और योगेश गोयल आदि मौजूद थे।

मानसी गंगा मार्ग बना तालाब, नालियों के पानी से गुजरने को मजबूर श्रद्धालु

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले से पूर्व मानसी गंगा क्षेत्र में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए की जा रही व्यवस्थाओं की पोल खुलती नजर आ रही है। हर वर्ष मानसी गंगा के घाटों पर बैरिकेडिंग कर फव्वारे चालू किए जाते हैं, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में उतरने के बजाय बाहर से ही स्नान कर अपनी आस्था व्यक्त कर सकें।

हाल के दिनों में मानसी गंगा में डूबने की चार घटनाओं के बाद प्रशासन ने घाटों पर बैरिकेडिंग और फव्वारे लगाने की व्यवस्था की है, लेकिन इसके बावजूद हालात सुधरते दिखाई नहीं दे रहे हैं। कई घाटों पर अब भी पर्याप्त बैरिकेडिंग नहीं की गई है। रविवार को भी एक बच्चे की डूबने से मौत हो गई, जिससे सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो गए हैं। क्षेत्र में अव्यवस्थाओं का आलम यह है कि स्नान के लिए लगाए गए फव्वारों का पानी और नालियों का बहाव मानसी गंगा मार्ग पर भर गया है। इससे पूरा मार्ग तालाब जैसा दिखाई देने लगा है। परिक्रमा करने आने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को नंगे पैर गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर पंचायत प्रशासन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के बजाय बाहर से आने वाली श्रद्धालुओं की बसों से शुल्क वसूलने में अधिक रुचि दिखा रहा है। गुरु पूर्णिमा मेले से पहले मानसी गंगा क्षेत्र की सफाई, जल निकासी और सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक दावों पर सवाल उठने लगे हैं।

श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है।

मानसी गंगा मार्ग से पानी में होकर परिक्रमा देते श्रद्धालु।

दो चोर गिरफ्तार, चोरी को दो हजार बरामद

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने चोरी के आरोप में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गई रकम में से दो हजार रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने खारीकुआं निवसी साहिद और हनीफ को पांच्चजंय प्रेक्षाग्रह से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी हुई रकम के दो हजार रुपये भी बरामद किए हैं।